संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 118
पृष्ठ 8
बुधवार
15 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बची हुई आलू गोभी .....

विचार- वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के....

खेल- पहले भारतीय रेसिंग .....

खिचड़ी

पीकर सारे दुख को खिचड़ी,सुख का बन त्योहार,
बदल रही है धीरे–धीरे,मौसम का व्यवहार।

संगम तट पर भीड़ खड़ी है,नदियों में उत्साह,
गंग–जमुन के जल का देखो,बहता हुआ प्रवाह,
आकर्षित मन को करता है,भरकर भोर उजास,
चलो चलें उस पावन नगरी,जहाँ जले सब दाह,
वहीं रमाकर मन को अपने,रचें नया संसार।
पीकर सारे –––––––– –––––––– ।

चावल–दाल ,नमक अरु हल्दी,घी से छौंक–बघार,
या फिर दधि में डूब के खिचड़ी,बन सुन्दर आहार,
देती है संदेश सभी को,हम हैं सबके साथ,
ऐसी खिचड़ी उतर धरा पर,बन जीवन–आधार,
उर की तृष्णा शान्त करे,देकर देव विचार।
पीकर सारे –––––––– ––––।

बीमारों का भोजन बनकर,रहती मंदिर द्वार,
निर्धन और अमीर सभी का,करती है उद्धार,
कई–कई नामों को धरकर,बनके पुण्य नहान,
बाँट रही है देव खुशी बन,करके धर्म–प्रचार,
खिचड़ी तो खिचड़ी है भैया,महिमा अपरम्पार। ।
पीकर सारे––––––––।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
प्रयागराज

कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर कार दुर्घटना में घायल

बेलगावी। कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर और उनके भाई एवं विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चन्नाराज हत्तीहोली पुणे–बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर चन्नम्मा कित्तूर तालुक में मंगलवार सुबह एक कार दुर्घटना में घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब छह बजे हुई जब वाहन के चालक ने कथित तौर पर एक आवारा कुत्ते को बचाने के लिए अचानक कार मोड़ दी, जिससे कार एक पेड़ से जा टकराई। सुश्री हेब्बालकर को चेहरे और पीठ पर चोटें आईं, जबकि उनके भाई को सिर में चोट लगी। सुश्री हेब्बालकर के पुत्र मृणाल हेब्बलकर ने पत्रकारों से बातचीत में घटना की पुष्टि की और बताया की आवारा जानवर के अचानक सामने आने के कारण दुर्घटना हुई। चन्नम्मा कित्तूर तालुक स्थित दुर्घटना स्थल ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

आईएमडी का 150वां स्थापना दिवसः प्रधानमंत्री बोले-

अनुसंधान और नवाचार नए भारत के मिजाज का हिस्सा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया। ष्मौसम के लिए तैयार और जलवायु के लिए स्मार्ट राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि आज हम भारतीय मौसम विभाग यानी प्डक के 150 वर्ष सेलिब्रेट कर रहे हैं। ये केवल भारतीय मौसम विभाग की यात्रा नहीं है, ये हमारे भारत में आधुनिक साइंस और टेक्नोलॉजी की भी यात्रा है। IMD ने न केवल करोड़ों भारतीयों की सेवा की है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक यात्रा का भी प्रतीक बना है। मोदी ने कहा कि वैज्ञानिक संस्थाओं में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के स्वभाव का हिस्सा है। इसलिए पिछले 10 वर्षों में IMD के इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नॉलजी का भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत एक जलवायु–स्मार्ट राष्ट्र बने इसके लिए हमने 'मिशन मौसम' भी लांच किया है। मिशन मौसम टिकाऊ भविष्य और भविष्य की तैयारी को लेकर भारत की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों में रिसर्च और इनोवेशन नए भारत के स्वभाव का हिस्सा है। इसलिए, पिछले 10 वर्षों में, आईएमडी के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉपलर मौसम रडार, स्वचालित मौसम स्टेशन, रनवे मौसम निगरानी प्रणाली, जिलेवार वर्षा निगरानी स्टेशन – ऐसे आधुनिक बुनियादी ढांचे में कई गुना वृद्धि हुई है, और उन्हें अपग्रेड भी किया गया है। मौसम विज्ञान अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल तकनीक का भी भरपूर लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी मौसम संबंधी उन्नति के चलते हमारी आपदा प्रबंधन कैपसीटी बनी हुई है। इसका लाभ पूरे विश्व को मिल रहा है। आज हमारा आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन प्रणाली नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को भी सूचनाएं दे रहा। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोस में कहीं कोई आपदा आती है, तो भारत सबसे पहले मदद के लिए उपस्थित होता है।

इससे विश्व में भारत को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। दुनिया में विश्व बंधु के रूप में भारत की छवि और भी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने मौसम विज्ञान की दक्षता को अधिकतम करने और प्रकृति को जिम्मेदार ठहराने वाली आपदाओं के प्रभाव को कम करने के महत्व को पहले ही समझ लिया था। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार नए भारत के मिजाज का हिस्सा हैं।

सीएम योगी ने बाबा गोरखनाथ को चढ़ाई खिचड़ी, सीएम ने शुभकामनाओं के साथ दिया ये संदेश

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार शिवावतार महायोगी गोरखनाथ को विधि विधान से आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इस अवसर पर उन्होंने भगवान गोरखनाथ से लोकमंगल, सभी नागरिकों के सुखमय और समृद्धमय जीवन तथा राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की।

मीडियाकर्मियों से बातचीत में सीएम ने कहा कि मकर संक्रांति भारत के पावन पर्व और त्योहारों की श्रृंखला में जगतपिता सूर्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का एक उत्सव है। पूरे देश के अंदर अलग–अलग नामों और स्वरूपों में आज सनातन ध र्मावलंबी पूरी श्रद्धा के साथ इस आयोजन के साथ जुड़ते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के अंदर उत्तर हो, दक्षिण हो,पूरब हो या पश्चिम हो, अलग–अलग नाम और रूपों में मकर संक्रांति पर्व को लोग मनाते हैं तथा उत्सव के साथ जुड़ते हैं। यह उत्सव भारत की सनातन धर्म की परंपरा में आनंद के क्षणों को एकजुटता और एकता के साथ आयोजित करने तथा अपनी खुशी के साथ पूरे समाज को जोड़ने का विशिष्ट और विराट आयोजन है। उन्होंने कहा कि पूरब के असम में बिहू के रूप में, पंजाब में लोहड़ी के रूप में, सुदूर दक्षिण में पोंगल के रूप में, बंगाल व महाराष्ट्र में तिलवा संक्रांति के रूप में तथा उत्तर भारत में खिचड़ी संक्रांति के रूप में इस महापर्व को श्रद्धालुजन आयोजित करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेश की पवित्र नदियों, सरोवरों में स्नान, दान–पुण्य का कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ प्रारंभ हो चुका है। यह मेरा सौभाग्य है ।

प्रयाग महाकुम्भ-हिन्दू संस्कृति दर्शन

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
प्रयागराज। यमराज की बहन,कृष्ण के रंग मे रँगी ज्ञान एवं कर्ममयी यमुना,देवाधिदेव शिव की प्यारी,ब्रह्मा कमण्डल से निकली गंगा एवं अदृश्य आध्यात्मिक ज्ञान और विद्या की नदी सरस्वती, जिसके तट पर रहकर,इसके पानी से वैदिक ऋषियों ने वेद की रचना की थी तथा जिसे ऋग्वेद में नदीतमा कहा गया है,जिसका अर्थ है–श्रेष्ठ नदी जो गुप्त रूप से संगम में मिलती है,यही स्थल त्रिवेणी संगम कहलाता है।हिन्दू मान्यता के अनुसार, सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने सृष्टि कार्य पूर्ण होने के बाद प्रथम यज्ञ के प्र से तथा याग अर्थात यज्ञ से मिलकर प्रयाग बना और उस स्थान का नाम प्रयाग पड़ा।प्रयाग की ध ारती पर इन तीनों नदियों की त्रिवेणी संगम पर प्रतिवर्ष माघ के महीने में लाखों श्रद्धालु, श्रद्धा की डुबकी लगाने आते हैं। माघ में प्रतिवर्ष यह मेला लगता है तथा प्रति छरू वर्ष में अर्ध कुम्भ, बारह वर्ष में कुम्भ और एक सौ चौवालिस वर्ष में महाकुम्भ कहलाता है।यह कुम्भ की चार स्थितियों में एक है,शेष तीन हरिद्वार, उज्जैन, नासिक हैं। कुम्भ का तात्पर्य क्या है या कुम्भ क्या है,इसे समझने के लिए पहले पौराणिक कथाओं को जानना आवश्यक है। कुम्भ का शाब्दिक अर्थ–घड़ा,सुराही,बर्तन है। इसका वर्णन वैदिक ग्रंथों में पौराणिक कथाओं के रूप में है जिसमें अमरता(अमृत) के विषय में बताया गया है। मेला का तात्पर्य किसी विशेष तिथि या उत्सव पर एक स्थान पर मिलना तथा धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक सभा करना। इस प्रकार कुम्भ मेले का अर्थ है श्अमरत्व का मेलाश। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार माघ मेला या कुम्भ मेला पौष पूर्णिमा के दिन आरम्भ होता है और मकर संक्रान्ति इसका ज्योतिषीय पर्व होता है, जब सूर्य और चन्द्रमा,वृश्चिक राशि में और बृहस्पति,मेष राशि में प्रवेश करते हैं।मकर संक्रान्ति के होने वाले इस योग को श्कुम्भ स्नान योगश कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है क्योंकि कुम्भ योग के समय जल, सूर्य, चन्द्रमा और बृहस्पति की सकारात्मक विद्युत चुम्बकीय विकिरणों से भरा होता है जिसके कारण गंगा का पानी सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। कुम्भ की तीन प्रमुख कथाएँ प्रचलित हैं।पहली कथा इन्द्र से संबंधित है। कहा जाता है कि कार्तिकेय के देव सेनापति बनने के बाद इन्द्र चिन्तित हो गए। देवराज इन्द्र को लगा कि महादेव, कार्तिकेय को देवराज बना देंगे, शक के इसी बीज ने उन्हें अभिमानी बना दिया। उनके इस अभिमान को तोड़ने के लिए नारद जी ने एक उपाय सोचा। एक बार देवासुर संग्राम के बाद सभी देवता शिव जी से मिलने कैलाश गये।वहाँ दुर्वासा मुनि भी आए,उनके आने पर महादेव ने नारद को एक मन्दार के पुष्पों की माला दी। कैलाश से लौटते समय उस माला को नारद ने इन्द्र को दे दिया, जिसे इन्द्र ने अपने ऐरावत के मस्तक पर रख दिया।ऐरावत ने उसे पैरों से कुचल दिया। इस बात से दुर्वासा क्रोधित हो गए और इन्द्र को शाप दे दिया कि पूरी पृथ्वी श्रीहीन हो जाएगी।उनके इस श्राप से सारा वैभव समुद्र में चला गया। श्रीहीन हुए देवता ब्रह्मा जी के पास गए और उपयोग की याचना करने लगे। ब्रह्मा जी ने उनकी बात सुनी और निराकरण के लिए भगवान विष्णु के पास भेज दिया। भगवान विष्णु ने उनको शिव के पास भेज दिया। सभी देवता शिव के पास गए। शिव जी ने देवताओं से कहा कि इसका एक ही उपाय है कि देव और दानव मिलकर एक साथ समुद्र मंथन करें। उस समय दानवों के राजा बलि थे। शिव जी के आदेश पर इन्द्र, दानवराज बलि के पास सहायता के लिए गए। बलि शिव भक्त थे अतरू उन्होंने न चाहते हुए भी इन्द्र के आग्रह पर शिव आज्ञा मानकर मंथन को तैयार हो गए। समुद्र को मथने के लिए शिव ने मन्दार पर्वत को मथनी और नाग वासुकी को रस्सी बनने के लिए कहा। देवताओं ने छल से दानवों को वासुकी के मुख का भाग पकड़ा दिया और खुद पूँछ पकड़कर मंथन आरम्भ किया,लेकिन मंदार समुद्र में डूबते जा रहे थे तथा पृथ्वी भार सहन नहीं कर पा रही थी।तब श्रीहरि विष्णु ने कुर्मा का अवतार लेकर मंदार का भार सहा और मंथन आरम्भ हुआ। मंथन से सबसे पहले हलाहल विष निकला,जिसे देव–दानव के अनुरोध पर शिव ने जगत कल्याण हेतु पी लिया। उसके बाद लक्ष्मी आईं,जिसे विष्णु को अर्पित किया गया। अप्सरा,रंभा और मेनका को स्वर्ग भेजा गया। वारुणि–दानवों को,कामधेनु –ब्रह्मा को,पारिजात –इन्द्र को,चन्द्रदेव –शिव को,पंचजन्य शंख– विष्णु को,वरुण –इन्द्रलोक को,कल्पवृक्ष –स्वर्ग को,निद्रा– दानवों को और सबसे अंत में धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर आए, जिसके लिए देव–दानव दोनों लड़ने लगे,तब भगवान विष्णु ने मोहनी रूप ध ारणकर अमृतपान देवताओं को करवाया लेकिन राहु ने भी देव रूप धारण कर अमृतपान कर लिया परन्तु सूर्य और चन्द्र ने उसको पहचान लिया जिसकी वजह से विष्णु जी ने राहु का गला काट दिया लेकिन उसकी मृत्य नहीं हुई।

इस पौराणिक कथा के केन्द्र में छिपी आध्यात्मिकता पर गहराई से विचार करने पर ऐसा आभास होता है कि यह कथा किसी साधक की अवस्था को दर्शाता है जैसे विष्णु जी का कूर्म अवतार जिसने मंदराचल पर्वत को आध ार दिया अर्थात साधक को किसी भी तरह की साधना शुरू करनी हो तो एक आधार यानी गुरु चाहिए। क्षीर सागर, मंदार,वासुकी सर्प, हलाहल विष और अमृत आदिक का भी जीवन के संदर्भ में नाना प्रकार के अर्थ हैं। जैसे – ब्रह्मांड की विशालता को क्षीर सागर व्यक्त करता है।ध्यान और चेतना का प्रतीक है–मंदार पर्वत। द्वैत का प्रतीक है–वासुकी।जीवन से संघर्षों के दौरान उत्पन्न होने वाली चुनौतियों और विषाक्तता तथा शिव जी के निस्वार्थ कार्य के अर्थ को व्याख्यायित करता है–विष। ज्ञान, शान्ति और शाश्वत सत्य का प्रतीक है–अमृत। समुद्र मंथन उस आंतरिक संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है।

जिससे व्यक्ति को अपनी सीमा को पार करके और उच्च चेतना प्राप्त करने के लिए गुजरना पड़ता है।समुद्र से निकलने वाले दिव्य खजाने स्वयं एक जीवन–पहेली हैं जो अमृत तक पहुँचने में बाधक भी हैं और अमृत अर्थात अमरता के अन्तिम लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं लेकिन यदि इन्हें पुरस्कारों और आशीर्वाद के रूप में ग्रहण किया जाय तो बताती हैं कि हिन्दू संस्कृति और दर्शन में इसके कई अर्थ और महत्व हैं।

महाकुंभ में किन्नर अखाड़े का अमृत स्नान देख लोग हुए रोमांचिक, रथों के पीछे भागते रहे भक्त

(प्रयागराज) । महाकुंभ में किन्नर अखाड़े ने पहली बार अमृत स्नान किया। जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े के संत शाही रथों और बग्घियों पर सवार होकर अमृत स्नान के लिए पहुंचे। किन्नर अखाड़े ने श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के साथ अमृत स्नान में हिस्सा लिया। किन्नर अखाड़े के संतों के पहुंचते ही संगम तट पर मौजूद लाखों की भीड़ रोमांचित हो गई। अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ भक्त ठसाठस भरे रहे। किन्नर संतों के आने की सूचना पर भक्त जयकारे लगाने लगे। बड़ी संख्या में भक्त उनका पैर छूने के लिए रथों के पीछे भाग रहे थे। पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान लोगों को रोक रहे थे और एक किनारे कर रहे थे लेकिन लोग बैरिकेडिंग लांघकर किन्नर संतों का चरण स्पर्श करने के लिए धक्कामुक्की करते देखे गए। राजशाही तरीके से सुसज्जित रथों पर सवार होकर किन्नर संत अमृत स्नान के लिए पहुंचे। स्नान करके लौटेते समय किन्नर संतों ने लोगों को निराश नहीं किया और भक्तों के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया। महाकुंभ 2025 के पहले अमृत स्नान के पावन अवसर पर किन्नर अखाड़ा आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना। आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की अगुवाई में किन्नर अखाड़े के सभी सदस्यों ने दोपहर में संगम नोज पहुंचकर अमृत स्नान किया। महा संक्रांति के पर्व पर किन्नर अखाड़े ने समाज के कल्याण और उन्नति की कामना की। किन्नर अखाड़े के सदस्य हर हर महादेव का नारे लगाते हुए संगम की ओर बढ़े। बीच में छत्र के नीचे आचार्य महामंडलेश्वर चल रहे थे और उनके साथ अखाड़े के अन्य महामंडलेश्वर उपस्थित थे। इस दौरान किन्नर अखाड़े के साधु पारंपरिक शस्त्रों का प्रदर्शन कर रहे थे। तलवारें लहराते हुए और जयघोष करते हुए उन्होंने अमृत स्नान का शुभारंभ किया किन्नर अखाड़े की सदस्य राम्या नारायण गिरी ने बताया कि अमृत स्नान के अवसर पर प्रत्येक सदस्य ने भारतवासियों की सुख–समृद्धि और देश के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का यह पर्व न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि समाज के प्रति सकारात्मक संदेश देने का भी एक माध्यम है। किन्नर अखाड़े के सदस्य शस्त्रों के साथ अपनी परंपराओं का अद्भुत प्रदर्शन करते नजर आए। तलवारों और अन्य शस्त्रों को लहराते हुए उन्होंने अपनी शक्ति और परंपरा का परिचय दिया। जयघोष और हर हर महादेव के नारों के बीच पूरा माहौल उत्साह और आस्था से भर गया। किन्नर अखाड़े के इस आयोजन ने महाकुम्भ 2025 में एक विशेष छवि प्रस्तुत की। उनके संदेश ने यह स्पष्ट किया कि समाज के हर वर्ग का उत्थान और कल्याण भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

बेटे की नौकरी तो कोई परीक्षा में पोते के अच्छे अंक आने के लिए घर ले गया संतों की चरण धूलि

प्रयागराज। महाकुंभ पर अमृत (शाही) स्नान के बाद लौट रहे नागा संन्यासियों और संतों की चरण धूलि लेने और चरण स्पर्श करने के लिए होड़ मची रही। बड़ी संख्या में भक्त चरण धूलि को

पोटली में बांधकर अपने घर ले गए। उनका कहना था कि चरण रज को घर में रखेंगे जिससे घर पवित्र हो जाएगा और भगवान की कृपा मिलेगी। जिस रास्ते से नागा संन्यासी और संत गुजर रहे थे उनके पीछे भक्त उनके चरण धूलि को माथे लगाने और बटोरने में जुटे थे। इसके लिए होड़ मची रही। चरण रज घर ले जा रहे भक्तों ने बातचीत में बताया कि बेटे की नौकरी और परीक्षा में पोते को अच्छे अंक मिलें इसके लिए रज को ले जा रहे हैं। बिहार से आए एक भक्त राजेश ठाकुर ने बताया कि वह घर में सुख और शांति के लिए रज रखेंगे। इसी तरह पश्चिम बंगाल के मिदनीपुर की मीनाक्षी देवी ने बताया कि बेटी की शादी और पति की लंबी आयु के लिए वह धूल को अपने साथ ले जा रही हैं। कुंभ 2019 में भी वह चरण रज को घर ले गई थीं और उनकी मनोकामना पूरी हुई थी।

तड़के ही उमड़ा 80 लाख श्रद्धालुओं का रेला, बैरिकेडिंग तोड़ पहुचे संगम

प्रयागराज। सुबह के करीब 6 बजे रहे थे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले महानिर्वाणी अखाड़े के संत संगम नोज के लिए निकल चुके थे। यह वह वक्त था जब 80 लाख के करीब श्रद्धालु मेले में प्रवेश कर चुके थे और संगम अपर मार्ग होते हुए तेजी से संगम की ओर बढ़ रहे थे। हालात यह हुए कि संगम नोज टॉवर नंबर एक से करीब 100 मीटर पहले ही अखाड़ा मार्ग पर की गई बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग पर आ गए। यह देख अफसरों के हाथ–पांव फूल गए। बाद में आईटीबीपी के जवानों ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर सुरक्षा घेरा बनाया और फिर सभी ने राहत की सांस ली। मकर संक्रांति पर भीड़ उमड़ेगी लेकिन तड़के ही श्रद्धालुओं की संख्या 80 लाख को पार कर जाएगी, इसका अंदाजा किसी ने नहीं लगाया था। यही वजह रही कि अखाड़ों के साधु–संतों के अमृत स्नान के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किए गए सारे इंतजाम धरे रह गए।संगम पर पड़े आस्थावानों के ज्वार के आगे अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए निर्धारित मार्ग की बैरिकेडिंग टिक नहीं सकी। टॉवर नंबर वन के पास स्थित मोड़ से लेकर संगम नोज तक कम से कम 10 जगहों से बैरिकेडिंग तोड़कर श्रद्धालुओं की भीड़ आगे बढ़ गई। श्रद्धालु अखाड़ा मार्ग से आगे तो बढ़े ही, संगम नोज के बाएं साइड में स्थित घाट पर पहुंचकर स्नान किया। साथ ही अखाड़ों के साधु–संतों के पांव भी छुए। संतो नें भी उन्हें निराश नहीं किया। आमतौर पर संगम स्नान के लिए जाते वक्त थोड़े भी व्यवधान से नाराज होने वाले साधु–संत मंगलवार को अलग ही रूप में नजर आए। न सिर्फ स्नान के बाद बल्कि संगम स्नान के लिए जाते वक्त भी कई नागा साधुओं ने रास्ते में रुककर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। अमृत स्नान के दौरान संगम घाट व अखाड़ा मार्ग पर उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में कड़ी मशक्कत के बाद भी पुलिसकर्मियों के नाकाम रहने पर घुड़सवार पुलिस ने स्थिति संभाली। इस दौरान अमेरिकन ब्रीड के घोड़े जैकी, शाहीन व दारा ने भीड़ को दोनों तरफ से पीछे भेजकर साधु संतों के लिए अखाड़ा मार्ग खाली कराया। इसके बाद हालात नियंत्रित किए जा सके।

बीटेक की पढ़ाई छोड़कर भरत ने अपनाया वैराग्य, सपना था सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का

प्रयागराज। मन में उठ रहे सवालों के उत्तर जानने के लिए बीटेक की पढ़ाई छोड़कर महज 18 वर्ष की उम्र से ही बंगलूरू निवासी भरत कुमार ने वैराग्य जीवन अपना लिया। अब वह भरतर्षभा दास महाराज बन गए। स्कूल के समय से ही पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाले भरत का सपना सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना था। मेले में आए भरतर्षभा दास बताते हैं, 1992 में एनआईटी केरल में दाखिला लिया। विज्ञान की वजह से नास्तिक हो गए थे, लेकिन भगवतगीता, पुराण और इस्कॉन के गुरु की जीवनी पढ़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव आ गया। प्रथम वर्ष के दौरान मन में सवाल आया कि इस जीवन का ध्येय क्या है, क्या करेंगे इंजीनियर बन के। इसका उत्तर जानने के लिए हरे कृष्णा मूवमेंट से जुड़े। इसके बाद जीवन का लक्ष्य परमात्मा के करीब पहुंचना हो गया। वह माता–पिता के इकलौते बेटे हैं। उनकी एक बहन भी है। जानकारी होने पर माता–पिता कहा, अगर आपकी यही इच्छा है तो जाओ और फिर कभी बात नहीं की। भरतर्षभा दास कहते हैं, अब बहुत अच्छा लग रहा है। जीवन में शांति मिली है। दस वर्षों से वृंदावन में रह रहे हैं, और अभी अक्षय पात्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

गंगा स्नान के बाद ठीक हो गया लॉरेन पॉवेल का स्वास्थ्य, भीड़ के चलते खराब हो गई थी तबीयत

प्रयागराज। महाकुंभ में भारी भीड़ से अभिभूत एप्पल के सह–संस्थापक स्टीव जॉब्स की पत्नी प्रयागराज पहुंचने के बाद अस्वस्थ हो गईं। उनका स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो गया, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, सनातन ध र्म के बारे में जानने का उनका उत्साह बरकरार है। लॉरेन पॉवेल अपने गुरु निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविर में पहुंचीं हैं। कैलाशानंद गिरि ने उनका कमला नामकरण किया है। सरकारी बयान में स्वामी कैलाशानंद के हवाले से कहा गया है लॉरेन सोमवार को थोड़े समय के लिए अस्वस्थ थीं, लेकिन गंगा स्नान और आराम के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। सनातन धर्म के बारे में गहराई से जानने का उनका उत्साह बरकरार है। स्वामी कैलाशानंद ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि भीड़ के कारण उन्हें कुछ स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपनी नई शिष्या पॉवेल को सनातन धर्म में गहरी रुचि रखने वाली सरल और विनम्र महिला बताया। उन्होंने कहा कि वह अहंकार से मुक्त हैं और अपने गुरु के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि उनके सभी प्रश्न सनातन धर्म के इर्द–गिर्द घूमते हैं और उन्हें उत्तरों में बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के प्रमुख महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि लॉरेन की आध्यात्मिकता की खोज उन्हेंमहाकुंभ में ले आई। यहां उनको नया नाम दिया गया है। वह बहुत ही सरल, सौम्य हैं और यहां हैं। आध्यात्मिकता की उनकी खोज उन्हें यहां ले आई। जिस तरह से उन्होंने अखाड़े में खुद को संचालित किया है उससे यह स्पष्ट होता है कि दुनिया के सबसे अमीर और सबसे प्रसिद्ध लोगों में से एक होने के बावजूद, वह अहंकार रहित हैं और दिखावा नहीं करती हैं। यहां वह सादे कपड़े पहनती हैं और आचरण करती हैं। वह लो प्रोफाइल रहती हैं। वह यहां हमारी शाश्वत और कालजयी सनातनी संस्कृति, सभी चेतनाओं के मूल को देखने आई हैं। वह यहां सनातनी आस्था के प्रहरियों, साधु–संतों से मिल रही हैं। पुरी ने कहा कि कहा कि लॉरिन पहली बार कुंभ में आई हैं। यह पूछे जाने पर कि वह कितने समय तक यहां रहेंगी। वह रविवार को हमारे घर, निरंजनी अखाड़े में आईं और कुछ दिनों तक यहां रहेंगी।

21 शृंगार कर नागा संन्यासी लगाएंगे अमृत स्नान की पहली डुबकी, गुरु और शिष्य साथ–साथ करेंगे स्नान

प्रयागराज। नख से शिख तक भभूत। जटाजूट की वेणी, आंखों में सूरमा, हाथों में चिमटा, होठों पर सांब सदाशिव का नाम। भभूत लपेटे, दिगंबर, हाथ में डमरू, त्रिशूल और कमंडल के साथ ही अवधूत की धुन में झूमते हुए नागा त्रिवेणी के तट पर पहले

अमृत स्नान के लिए प्रस्थान करेंगे। 13 अखाड़ों के साधु 21 शृंगार के साथ अमृत स्नान की पहली डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ के पहले अमृत स्नान में अपने इष्ट महादेव की तरह ही नागा साधुओं का शृंगार भी देश भर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगा। दीक्षा की वेशभूषा दिगंबर स्वरूप में ही नागा साधु अमृत स्नान से पहले तन–मन को 21 शृंगार से सजाएंगे। त्रिवेणी के तट पर महाकुंभ का पहला अमृत स्नान पुष्य और पुनर्वसु नक्षत्र में आरंभ हो रहा है। प्रथम पूज्य भगवान गणेश का पूजन करने के बाद नागा साध ु आदियोगी शिव के स्वरूप में खुद को सजाएंगे। शरीर में भस्म लगाने के बाद चंदन, पांव में चांदी के कड़े, पंचकेश यानी जटा को पांच बार घुमाकर सिर में लपेटेंगे, रोली का लेप, अंगूठी, फूलों की माला, हाथों में चिमटा, डमरू, कमंडल, माथे पर तिलक, आंखों में सूरमा, लंगोट, हाथों व पैरों में कड़ा और गले में रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद नागा साधु प्रस्थान करेंगे। महानिर्वाणी अखाड़े के शंकरपुरी महाराज ने बताया कि हिंदू धर्म में सुहागिन 16 शृंगार करती हैं, लेकिन नागा साधु अमृत स्नान के लिए 21 शृंगार करते हैं। इसमें शरीर के साथ ही मन और वचन का भी शृंगार शामिल होता है। इसके साथ ही सर्वमंगल की कामना भी होती है। इस शृंगार का मतलब दिखावा करना नहीं होता है। नागा साधु इसे अंदर तक महसूस भी करते हैं। महादेव को प्रसन्न करने के लिए 21 शृंगार के साथ ही नागा साधु संगम में अमृत स्नान की डुबकी लगाएंगे।मेले में आसन लगाए नागा साधु खड़ेश्वरी बाबा बताते हैं, नागा बनने के बाद साधना और तपस्या बेहद जरूरी है। स्नान से पहले नागा साधु खुद को सजाते हैं। इसमें तन के साथ ही मन को भी सजाना जरूरी होता है।

नागाओं की धमकी ताक पर, काव्या का हाथ थाम फिरोज ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा पर सोमवार को संगम पर महाकुंभ की अद्भुत ताकत ने विश्व समुदाय का ध्यान बरबस अपनी ओर खींच

लिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अलावा अलग–अलग अखाड़ों और धर्माचार्यों की महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश न करने की चेतावनी के बावजूद फिरोज खान 14 सौ किमी की दूरी तय कर मुंबई से अपनी पत्नी काव्या और डॉगी मैक्स के साथ संगम पहुंचे। फिरोज ने न सिर्फ गंगाजल से आचमन किया, बल्कि त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी भी लगाई। मंगलवार को वह अखाड़ों के बाद प्रथम अमृत स्नान में भी डुबकी लगाएंगे। इससे पहले फिरोज –नंदिता ने हरिद्वार के महाकुंभ में भी हर की पैड़ी पर डुबकी लगाई थी। नफरत और सामाजिक बिखराव के बीच मुंबई में एक निजी बैंक में कैशियर फिरोज खान ने सनातन के प्रति अपनी आस्था जताई। संतों–नगाओं की सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था अखाड़ परिषद की मुसलमानों को महाकुंभ में प्रवेश न करने की चेतावनी के बीच सोमवार को कोलकाता के फिरोज खान ने अपने जिगरी दोस्त डागी मैक्स और पत्नी नंदिता राजपूत के साथ डुबकी लगाई। दरअसल, फिरोज खान इबादत भी करते हैं और पूजा भी। इसकी बड़ी वजह उनकी पत्नी का हिंदू होना है। फिरोज ने काव्या सिंह राजपूत से प्यार होने के बाद शादी कर ली थी। खास बात यह रही कि दोनों ने अपने रिश्ते के बीच अपनी–अपनी रवायतों को जिंदा रखने के साथ ही अपने धर्म को यथावत मानते रहने का निर्णय लिया। काव्या हमेशा गंगा स्नान करती हैं। इस बार महाकुंभ लगने पर उन्होंने संगम में डुबकी लगाने के लिए अपने पति फिरोज से जिद की। लेकिन, अखाड़ परिषद की चेतावनी और धर्माचार्यों की धमकी की वजह से उन्होंने पहले तो ना की फिर मान गए। फिरोज अपने खास दोस्त मैक्स को भी साथ ले आए। फिरोज ने काव्या और मैक्स के साथ संगम तक पहुंचने के लिए पैदल करीब आठ किमी की यात्रा की। मैक्स को उन्होंने डॉग साइलेंसर लगा रखा था। फिरोज दिन के 11रू30 बजे संगम पहुंचे। वहां उन्होंने आचमन के बाद तन–मन को पवित्र किया। त्रिवेणी की पावन धारा की पूजा की और फिर पत्नी काव्या का हाथ थाम कर डुबकी लगाने लगे। बाद में उन्होंने मैक्स को भी गंगा जल से पवित्र किया। फिरोज ने बताया कि वह पत्नी के साथ हरिद्वार कुंभ में भी डुबकी लगाने पहुंचे थे। मैने गलत धारणा रखने वाले मुसलमानों को आगाह किया है। जो लोग खाना में पानी में थूकते या चुपके से गंदगी कर धर्म को नष्ट करने की गंदी हरकत करते हैं,

मां ने कहा संगम जाना है और बेटा त्रिपुरा से व्हील चेयर पर लेकर चल पड़ा, पुलिस की मदद से मिली नाव

प्रयागराज। मां ने कहा, बेटा महाकुंभ में मुझे संगम स्नान करा दे और बेटा मां को व्हील चेयर पर लेकर चल पड़ा। त्रिपुरा के रहने वाले व्यवसायी सुशांत पाल पौष पूर्णिमा पर अपनी 77 वर्षीय

मां को मां को व्हील चेयर पर बैठाकर संगम पहुंचे और मां की इच्छा पूरी की। 55 वर्षीय सुशांत तुलारामबाग स्थित भारत सेवाश्रम में ठहरे हुए हैं। संगम तक पहुंचने और लौटने में उन्होंने तकरीबन 20 किलोमीटर चलकर यात्रा की। मां गीता पाल को व्हील चेयर में बैठाए जब वह संगम पहुंचे तो उनकी मुलाकात एक पुलिस अफसर से हुई। सुशांत ने उन्हें बताया कि त्रिपुरा के मातावरी गोमती जिले से आए हैं और मां की इच्छा है कि संगम में स्नान करें। पुलिस अफसर की मदद से उन्हें एक नाव मिल गई, जिसके बाद वह मां को लेकर संगम पहुंचे और स्नान कराया। सुशांत की मां गीता पाल इससे पहले 2013 के कुंभ में आईं थी। तब वह स्वस्थ थीं और एक टीम के साथ यहां आईं थी। अब व्हील चेयर ही उनका सहारा है। सुशांत और उनकी मां 19 जनवरी को त्रिपुरा लौटेंगे। मां की इच्छा है कि मंगलवार को मकर संक्रांति पर अमृत स्नान करें। सुशांत फिर अपनी मां को व्हील चेयर पर बैठाकर संगम तक ले जाएंगे।

वसूलीः निजीकरण की गर्माहट के बीच ओटीएस में अधिकारी लगा रहे दम

-तीसरे और आखिरी चरण में वसूली के आंकड़े होंगे और दुरुस्त

मथुरा। निजीकरण की गर्माहट के बीच लाई गई विद्युत विभाग की ओटीएस योजना में अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से बकाया वसूली के लिए ऐडी से चोटी तक का दम लगा दिया है। अधिकारी गांव गांव और गली गली दस्तक दे रहे हैं। अब तक करोड़ों का बकाया वसूला जा चुका है। ओटीएस योजना के तीसरे और आखिरी चरण में वसूली के आंकड़ों को और दुरुस्त करने की तैयारी की है। ओटीएस योजना 15 दिसंबर 2024 से लागू की गई है। अधीक्षण अभियंता शहर सुरेशचंद्र रावत ने बताया कि शहरी क्षेत्र में 30 हजार उपभोक्ताओं पर करीब 31 करोड़ का बकाया था। ओटीएस योजना के दोनों चरणों में कुल मिला कर 5240 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है। जिनमें से 1700 लोगों ने किस्त बनवाई हैं बाकी ने पूरा बकाया जमा किया है। अब तक करीब 2 करोड़ 98 लाख की राशि वसूली गई है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद अधिकांश शहरी उपभोक्ता ससमय बिल जमा कर रहे हैं। शहर डीवजन से जुड़े देहात क्षेत्र जैंत, राल, बाटी आदि में विद्युत विभाग के बकायेदारों की संख्या ज्यादा थी। अधीक्षण अभियंता शहर सुरेशचंद्र रावत ने बताया कि उनका इसे क्षेत्र पर ज्यादा जोर हैं। देहात क्षेत्र में लगातार कैंप लगाये जा रहे हैं। अब तक विभाग की ओर से लगभग एक सैकडा कैंप देहात क्षेत्र में लगाये गये हैं, जिसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं। अधीक्षण अभियंता देहात ने बताया कि लगभग 220 करोड़ का बकाया चल रहा है। ओटीएस योजना के दोनों चरणों में अब तक 87 करोड़ रूपये उपभोक्ताओं से जाम करा लिए गये हैं जो कुल बकाये का लगभग 22 प्रतिशत है। 1 लाख 40 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं जो बिल जमा नहीं कर रहे हैं। एक लाख से अधिक के बडे बकायेदारों की संख्या अच्छी खासी है। अब तक करीब 42 हजार उपभोक्ताओं ने इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराया है, जबकि इनमें से 20 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने एक मुश्त पूरा बकाया जमा किया है। एक मुश्त जमा पर अधिक छूट मिल रही है। जबकि 22 हजार उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने किश्त बनवाई हैं। प्रतिदिन देहात डिवीजन में करीब आधा सैकड़ा कैंप लगाये जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को लगातार फोन के माध्यम से योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है और उन्हें बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिन क्षेत्र कैंप लगाये जा रहे हैं वहां कैंप लगाने से पहले मुनादी भी कराई जा रही है जिससे अधिक से अधिक बकायेदार उपभोक्ता कैंप में पहुंच सकें। 16 जनवरी से शुरू होगा तीसरा और आखिरी चरण इस बार ओटीएस योजना को तीन चरणों में पहले आओ पहले पाओं के अधार पर लागू किया गया है। 15 दिसंबर से ओटीएस लागू हुई थी। 15 जनवरी तक दो चरण पूरे हो चुके हैं। आखिरी और तीसरा चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा। जो बकायेदार बकाया जमा नहीं कर रहे हैं उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं। विजिलेंस और विभागीय टीमें लगातार कार्यवाही कर रही हैं।

आखिरी तीन महीने लक्ष्य पूरा करने को प्रशासन का वसूली पर रहेगा जोर

-कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में हई बैठक

मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कर करेत्तर, राजस्व प्रशासन, राजस्व कार्यों, राजस्व वादों, आइ.जी.आर.एस की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार सहित सभी उप जिलाधिकारी, न्यायिक उप जिलाधिकारी, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा की, जिसमें सभी को प्रत्येक दशा में शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी को अपनी अपनी कोर्ट में बैठने, समयंतर्गत वादों के निस्तारण तथा पुराने प्रकरण को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों से कहा कि अपने अपने विभाग से संबंधित लक्ष्यों को पूर्ण करें और आरसी का मिलान करते हुए वसूली में तेजी लाएं। समयावधि का विशेष ध्यान रखा जाए। इस वित्तीय वर्ष 2024 में तीन महीने ही शेष रह गए हैं, इन तीन महीनों में वसूली कर लक्ष्य को पूरा किया जाए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले अधिकारियों को अपने कार्यों में तेजी लाने, भविष्य में लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। तहसीलों से जारी आरसी का शत प्रतिशत वसूली कराना सभी उप जिलाधिकारी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली के संबंध में सभी अधिकारियों से कहा कि अपने अपने क्षेत्रों में जारी हुई आरसी का मिलान करें तथा कर्मचारी लगाकर कार्यों को तेजी से निस्तारण कराएं। सभी उप जिलाधिकारी अपने क्षेत्रों में व्यापारियों के साथ बैठक कर लक्ष्य को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। राजस्व प्राप्त करने वाले विभाग के अधिकारियों से कहा कि विगत वर्ष के लक्ष्य के सापेक्ष 10 प्रतिशत बढ़ाते हुए राजस्व वसूली की जाए। बैठक में खनन, परिवहन, आबकारी, दैवीय आपदा आदि के तहत अद्यावधि तक की गई कार्रवाई एवं उपलब्धि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। राजस्व वसूली में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि 15 दिन में गति न लाने वाले संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। संयुक्त चेकिंग करके चालान में प्रगति लाने के निर्देश दिए वाहनों की ओवर स्पीड, ओवर लोडिंग, नशा करके वाहन का संचालन आदि अभियोग में पुलिस व राजस्व अधिकारियों के साथ संयुक्त चेकिंग करके चालान में प्रगति लाने के निर्देश दिए। तहसील स्तर पर विस्थापन संबंधी कार्यो में गति लायी जाय। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों का निर्धारित अवधि में निर्गत करना सुनिश्चित करें।

सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ होगी कानूनी कार्यवाहीः किरन चौधरी

-जिला पंचायत राज अधिकारी ने ग्राम पंचायत सेनवा का किया निरीक्षण

-ग्रामीण और प्रधान के बीच चल रहे जमीनी विवाद को निपटाया

मथुरा। जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी चौमुहां ब्लॉक के गांव सेनवा में प्रधान और ग्रामीणों के बीच चले आ रहे जमीनी विवाद की जांच करने पहुचीं। कुछ ग्रामीणों ने प्रधान पर अपनी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया, तो वही प्रधान श्रीमती आशा देवी ने सरकारी जमीन को ग्रामीणों से कब्जा मुक्त कराए जाने की बात कही। प्रधान प्रतिनिधि प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि ग्रामीण खेल मैदान पर कब्जा करना चाहते है। खेल मैदान के चारो तरफ की गई तार फेंसिंग को ग्रामीण काट देते हैं। कुछ लोगों ने खेल मैदान में भूषा और उपले पाथकर अवैध अतिक्रमण कर रखा। जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी ने बताया कि गांव सेनवा में आपसी जमीनी विवाद को लेकर शिकायत मिली थी। ग्राम पंचायत में खेल मैदान, आरआरसी सेंटर और पंचायत भवन बनाने के लिए खाली कराई गई सरकारी जमीन को लेकर ग्रामीण और प्रधान के बीच कुछ मतभेद चल रहा था। उक्त जमीन की राजस्व विभाग द्वारा पुनः पैमाइस कराई जाएगी। ग्रामीणों में जो जमीनी विवाद था उसे समाप्त करा दिया गया है। बताया कि ग्राम पंचायत में बालिकाओं के लिए क्षेत्र पंचायत की निधि से जल्द ही खेल मैदान बनाया जाएगा। बालिका खेल मैदान के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। जिन लोगों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है उसके लिए पंचायत सचिव को निर्देशित किया है कि वह उन्हें नोटिस जारी कर जमीन को कब्जा मुक्त कराए जाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा की कोई भी ग्रामीण सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा न करे। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर जमीन को कब्जा मुक्त कराया जाएगा। इस अवसर पर एडीओ पंचायत सतीश चंद शर्मा, पंचायत सचिव विकास उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

जोधपुर झाल में पहली बार दिखा प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन

- भरतपुर के घना और आगरा के सूरसरोवर के बाद पहली बार जोधपुर झाल पर पहुंचे प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन के दो समूह

जोधपुर झाल वेटलैंड को विकसित करने की प्रक्रिया अब अंतिम दौर में है। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा निर्माण संबंधी कार्य और वन विभाग को यहां पौधरोपण की जिम्मेदारी दी गई है। निर्माण कार्य पूरा हो रहा है, जबकि पौधरोपण होना है। इसे पक्षियों के अनुकूल और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। इस बार अनेक स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की प्रजाति यहां देखने को मिली हैं। कई प्रजाति पहली बार पहुंची हैं। पिछले दिनों सफेद गिद्ध यहां जोड़े में पहुंचा था, जो विलुप्तप्राय प्रजाति में है।

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा विकसित जोधपुर झाल वेटलैंड पर प्रवासी पक्षियों में सबसे बडे आकार के पक्षी रोजी पेलिकन पहली बार नजर आए हैं। 38 की संख्या में दो समूह में यहां पहुंच कर इन प्रवासी पक्षियों ने जोधपुर झाल वेटलैंड के आकर्षण को और बढ़ा दिया है। आगरा और मथुरा जनपद के मध्य फरह क्षेत्र स्थित जोधपुर झाल का संरक्षण उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा किया जा रहा है। इसके कारण जोधपुर झाल पक्षियों का बेहतर ढिकाना बन गया है। देश विदेश से बड़ी संख्या में पक्षी यहाँ पहुँच रहे हैं। इसमें पहली बार सबसे बड़े प्रवासी पेलिकन ने भी जोधपुर झाल पर पहली दस्तक दी है। अभी तक यूरोप से आने वाली पेलिकन की प्रजातियां भरतपुर के घना और आगरा के सूरसरोवर में नजर आते थे। पहली बार प्रवासी पक्षी रोजी पेलिकन के दो समूह जोधपुर झाल पर देखे गए हैं। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसाइटी के पक्षी विशेषज्ञ डॉ के पी सिंह ने बताया कि भारत में पेलिकन की तीन प्रजातियां मिलती हैं। इन में डालमेशन पेलिकन और ग्रेट व्हाइट पेलिकन (रोजी पेलिकन) प्रवासी प्रजातियां हैं जबकि स्पॉट बिल्ड पेलिकन प्रजनक आवासीय प्रजाति है। आगरा के सूरसरोवर और भरतपुर के घना में डालमेशन पेलिकन और ग्रेट व्हाइट पेलिकन (रोजी पेलिकन) प्रजातियां अपने सर्दियों के प्रवास के दौरान डेरा डालती हैं। रोजी पेलिकन पक्षी वर्ग के परिवार पेलेकेनिडे में वर्गीकृत सबसे बडे आकार का पक्षी है। इसका वैज्ञानिक नाम पेलेकेनस ओनोक्रोटलस है। रोजी पेलिकन सेन्ट्रल एशियन फ्लाई वे के अंतर्गत उत्तर पूर्व यूरेशियन क्षेत्र जॉर्जिया, अजरबैजान, कजाकिस्तान, यूक्रेन में प्रजनन करती हैं। इस क्षेत्र में प्रजनन करने वाली रोजी पेलिकन की जनसंख्या भारत के तराई क्षेत्र के अलावा तुर्कमेनिस्तान, इरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड में सर्दियों के प्रवास पर आती हैं। जलीय पक्षियों पर शोध कर रही निधि यादव बताती हैं कि स्वच्छ पानी की झील पेलिकन का हेविटाट होता है। पेलिकन का मुख्य भोजन मछलियां होती हैं। पेलिकन मछली का शिकार करके अपनी चोंच के निचले भाग में बनी थैली में संग्रहित करके रखता है।

संक्षिप्त

अग्निवीर भर्ती का 5वां दिन, घने कोहरे बीच युवाओं ने लगाई फर्राटा दौड़

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ की सैन्य छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) स्टेडियम में अग्निवीर रैली भर्ती का आज पांचवां दिन है। यह भर्ती 10 जनवरी से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगी। इसमें 13 जिलों के करीब 10 हजार युवा शामिल होंगे। भर्तियां कुल 4 ट्रेड्स में हो रही हैं। इनमें अग्निवीर जीडी, टेक्निकल, कार्यालय सहायक और ट्रेड्समैन है। युवाओं को स्टेडियम में तड़के 2 बजे से 5 बजे तक प्रवेश दिया गया है। यह वो अभ्यर्थी हैं, जो पहले ही अग्निवीर लिखित परीक्षा पास कर चुके हैं। इससे पहले सोमवार को अग्निवीर भर्ती रैली स्थल पर जीओसी इंचार्ज लेफ्टिनेंट जनरल अनिंदया सेन गुप्ता भी पहुंचे। मंगलवार सुबह तड़के 2 बजे से अभ्यर्थियों की एंट्री शुरू हुई और 5 बजे तक अभ्यर्थियों को एंट्री दी गई। इस बीच घना कोहरा रहा। एडमिट कार्ड और आधार चेक करके सभी को एंट्री मिली। इसके बाद फिजिकल शुरू हुआ।जिसमें 1600 मीटर दौड़ के अलावा हाईजंप और पुलअप्स भी शामिल रहा।

समावेशी शिक्षा का विशेष प्रशिक्षण, 4 जिलों के माध्यमिक शिक्षकों ने हिस्सा लिया

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन में समग्र शिक्षा योजना के तहत आयोजित तीन दिवसीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में लखनऊ, बरेली, शाहजहांपुर और अयोध्या के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ में आयोजित किया गया। सीटीई लखनऊ के प्राचार्य विष्णु श्याम द्विवेदी ने समापन समारोह में कहा– यह प्रशिक्षण शिक्षकों की कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाएगा और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट हेड अखिलेश सिंह ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को कक्षाओं में लागू करें। प्रशिक्षण में कई विषय विशेषज्ञों ने अपना योगदान दिया, जिनमें संजीव कुमार सिंह, डॉ. सुधीर कुमार सिंह, रविरंजन सिंह, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. अरविंद अवस्थी और डॉ. अमरजीत शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सचान और शारदा सचान ने किया। समापन समारोह में सीटीई लखनऊ के वरिष्ठ संकाय सदस्य और अधिकारी भी मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को समावेशी शिक्षा की नवीन पद्धतियों से अवगत कराना और उन्हें अपने विद्यालयों में इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम ने शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के महत्व को समझने और इसे व्यावहारिक रूप से लागू करने का अवसर प्रदान किया।

चाइनीज मांझे से युवक का गला कटा,15 टांके लगे

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में चाइनीज मांझे से एक युवक का गला कट गया। रील में धार इतनी तेज थी कि कुछ ही सेकेंड में वह खून से लथपथ हो गया। उसे राहगीरों ने उठाकर केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने 15 टांके लगाए हैं। घायल रज्जन के मित्र सैयद अली फैजी ने कहा कुछ लोगों का शौक कई लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। बाजार खाला क्षेत्र में अंश अपार्टमेंट के निवासी रज्जन फ्लाईओवर से जा रहे थे। अचानक चाइनीज मांझे के चपेट में आने से गाड़ी अनियंत्रित हो गई। वह घायल होकर गिर गए। मामले में थ्ट दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित रज्जन ने लोगों से अपील किया है कि पतंग उड़ाने वाले चाइनीज मांझे का प्रयोग न करें। पतंग बेचने वाले और उड़ाने वाले जो लोग चाइनीज मांझे का इस्तेमाल कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अगर चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध नहीं लगा तो इसके खिलाफ आंदोलन करेंगे।

यूपी में किसानों मिलेंगे दो-दो हजार रुपये

प्रधानमंत्री 18 जनवरी को जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की किश्त

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में खेती करने वाले किसानों के लिए एक बड़ी खबर आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त ट्रांसफर की जाएगी।इस योजना के तहत राज्य के लाखों किसानों को लाभ मिलेगा और इन किसानों के खातों में 2,000 रुपये की राशि मिलेगी। उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार तोमर ने इस 19वीं किश्त के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस संबंध में डीडी कृषि को आवश्यक सूचना दे दी गई है। लाभार्थियों की सूची जनपद स्तर पर उपलब्ध करवा दी गई है, जिसे डीडी कृषि के माध्यम से क्लोज कर अग्रसारित कर दिया गया है। रविवार को लाभार्थियों की सूची आरएफटी पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है।किसानों से अपील की है कि जिन किसानों ने अभी तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है, वे 18 जनवरी से पहले इसे जरूर करा लें। फार्मर रजिस्ट्री पीएम किसान योजना के तहत लाभ पाने के लिए अनिवार्य है,

सर्व धर्म सद्भाव मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन आज

प्रयागराज । आज15 जनवरी 2025 निकट आनन्द भवन मुख्य द्वार समय 1 बजे दिन से विगत 15 वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 16वें सर्व धर्म सदभाव मकर संक्राति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रजिया सुल्तान अधिवक्ता मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद संस्था सचिव भारतीय जनहित कल्याण समिति ने बताया कि भारतीय जनहित कल्याण समिति के तत्वावधान में उक्त कार्यक्रम का शुभारम दीप प्रज्जवलन के साथ मुख्य अतिथि मा० उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर प्रयागराज के कर कमलो से 50 महानुभूतियो को उनके उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओ के लिए प्रयाग गौरव सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। वक्ताओ के उद्बोधन के पश्चात् अखिल भारतीय कवि सम्मेलन /मुशायरा का आयोजन होगा जो रात्रि तक चलता रहेगा। चाय जलपान विशाल भण्डारा खिचड़ी भोज का आयोजन / वितरण उक्त कार्यक्रम में लगातार चलता रहेगा।

मध्य प्रदेश संस्त विभाग के पंडाल में मनोहरी कार्यक्रमों का आयोजन शुरू

प्रयागराज 14 जनवरी। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महाकुंभ के सेक्टर 7 स्थित पंडाल में मनोहारी कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। यहां श्रीराम के 36 गुणों पर आधारित प्रदर्शनी को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

श्रीराम के शत्रुनाशक, महाबली पुरम, रणनीतिज्ञ, कृतज्ञ, नीतिनिर्धारक एवं धर्मरक्षक आदि विविध गुणों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत भक्तिमति शबरी का लीला मंचन, ज्ञान सिंह शाक्य के ग्रुप द्वारा गंगा वंदना, रीवा के मनोभावना सिंह की गणेश वंदना, डिंडोरी के मायाराम धुर्वे एवं दल का गुदुम बाजा लोकनृत्य की मनोहारी प्रस्तुति हुई। वहीं स्म्क प्रकाश के माध्यम से वैदिक गणित के महत्व का प्रदर्शन श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय रही।

केजीएमयू की डॉक्टर ट्रामा में भर्ती, हालत गंभीर

लखनऊ(यूएनएस)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) की डॉक्टर का गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। मंगलवार की सुबह जब गार्ड और उनके कुछ साथी बाहर निकले तो उन्होंने उन्हें हॉस्टल के बाहर पड़ा पाया। इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। इस समय वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। केजीएमयू में वे रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में काम कर रही हैं। वह कानपुर की रहने वाली है। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने बताया कि यह घटना सुबह लगभग 8.30 के आसपास की है। वह मेडिसिन विभाग में जूनियर रेजिडेंट के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने लखनऊ में 10 दिन पहले ही जॉइन किया था। रेजिडेंट डॉक्टर गर्ल्स हॉस्टल के कमरा नंबर–206 में रहती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और ब्लड लॉस की वजह से उनकी हालत गंभीर है। इसके अलावा उनके दोनों कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर और पैर में भी फ्रैक्चर हो गया है। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि घटना सुबह 8 से 8.30 बजे के आसपास की है। हॉस्टल के बाहर पड़ी मिली डॉक्टर को गंभीर हालत में जूनियर डॉक्टर्स ने एम्बुलेंस से ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। इस समय उन्हें क्रिटिकल केयर मेडिसिन में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भर्ती किया गया है। अभी उन्हें इनक्यूबेट किया गया है। ट्रॉमा सर्जरी के वरिष्ठ डॉक्टर्स डॉ. समीर मिश्रा और डॉ. अनीता सिंह की निगरानी में डॉक्टर का इलाज चल रहा।

नया साल और महाकुम्भ

नया साल है महाकुम्भ है और हैं नयी उमंगें,
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
गंगा यमुना के संगम पर बहती प्रेम की धारा
तन मन निर्मल कर देती है कहता जग ये सारा
पावन तट है अक्षय वट है और हैं नयी तरंगें
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
देव ऋषि मुनि जन सबको भाता है गंगा किनारा
जाति धर्म का भेद मिटा कर सबको इसने तारा
कहीं यज्ञ हैं कहीं हवन हैं और कहीं बहुरंगे
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
युगों युगों से गंगा मैया सबकी प्यास बुझाती
राजा हो या रंक सभी को जीवन पार कराती
माँ सीता ने किया था पूजन राम लखन के संगे
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
याज्ञवल्क्य ने भारद्वाज को राम कथा जो सुनायी
वही कथा तुलसी ने गाकर सबको सुलभ करायी
राम भक्ति की लौ में जलते मोह के सभी पतंगे
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
कहीं शंख और घंटे बजते कहीं लगें जयकारे
रोम रोम खिल जाते सबके अद्भुत देख नजारे
बच्चे बूढ़े और जवान सभी भक्ति में रंगे
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।
नया साल है महाकुम्भ है और हैं नयी उमंगें
संगम की रेती पर मिलकर बोलो हर हर गंगे ।

पूनम शुक्ला
शिक्षिका ,प्रयागराज

सम्पादकीय.....

धधकता लॉस एंजेलिस

लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फैलने और भारी जन–धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। जंगल की आग ने भड़कने के बाद कई शहरी इलाकों को चपेट में ले लिया। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों व सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब बारह लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर–बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल–फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा–तफरी से जगह–जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़–पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है। बारिश की कमी से सूखा और तेज हवाएं आग में घी का काम करती हैं। मौसम का गरम रहना व बारिश की कमी भी आग के लिए ज्वलनशील परिस्थितियां बनाते हैं। इस बार आग को भड़काने में सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली सेंटा एना हवाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस बार ये हवाएं असामान्य रूप से बहती रही हैं। इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों को देनी होगी राहत

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मध्यमवर्गीय परिवारों की प्रमुख भूमिका रहती है। देश में ही निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों की मांग इन्हीं परिवारों के माध्यम से निर्मित होती है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार जब मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल होते हैं तो उन्हें नया स्कूटर, नया फ्रिज, नया एयर कंडिशनर, नया टीवी एवं इसी प्रकार के कई नए पदार्थों (उत्पादों) की आवश्यकता महसूस होती है। साथ ही, नए मकानों की मांग भी मध्यमवर्गीय परिवारों के बीच से ही निर्मित होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि जिस देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेजी से बढ़ती है उस देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता है। भारत में भी हाल ही के वर्षों में मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हुई है। परंतु, मुद्रा स्फीति, कर का बोझ एवं इन परिवारों की आय में वृद्धि दर में आ रही कमी के चलते इन परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिससे कई कम्पनियों का यह आंकलन सामने आया है कि विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की मांग में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं (थ्ंज डवअपदह ब्वदेनउमत ळववके – थ्डब्ळ) के क्षेत्र में उत्पादन

करने वाली कम्पनियों का इस संदर्भ में आंकलन बेहद चौंकाने वाला है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023–24 की द्वितीय तिमाही में इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री एवं लाभप्रदता में भी कमी दिखाई दी है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सहायता योजनाओं का लाभ अब सीधे ही इन परिवारों को पहुंचने लगा है। 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रतिमाह मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों के खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है। विभिन्न राज्यों द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहिना योजना आदि माध्यम से महिलाओं के खातों में सीधे ही राशि जमा की जा रही है। इसके साथ ही इन परिवारों के सदस्यों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होने लगे हैं। जिससे इस श्रेणी के परिवारों में से कई परिवार अब मध्यमवर्गीय श्रेणी के परिवारों में शामिल हो रहे हैं।

केंद्रीय श्रम मंत्री ने हाल ही में भारतीय संसद को बताया है कि देश में पिछले 10 वर्षों में रोजगार उपलब्ध नागरिकों की संख्या 36 प्रतिशत बढ़कर वित्तीय वर्ष 2023–24 में 64.33 करोड़ के स्तर पर आ गई है, यह संख्या वर्ष 2014–15 में 47.15 करोड़ के स्तर पर थी। वर्ष 2024 से वर्ष 2014 के बीच, 10 वर्षों में रोजगार में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी अर्थात इस दौरान केवल 2.9 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हो सकीं थी, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के बीच 17.19 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां सृजित हुई हैं, यह लगभग 6 गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले केवल एक वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2023–24 के बीच ही देश में लगभग 4.6 करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। कृषि क्षेत्र में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच कृषि के क्षेत्र में रोजगार में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। इसी प्रकार विनिर्माण के क्षेत्र में भी वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच रोजगार में केवल 6 प्रतिशत दर्ज हुई थी जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच विनिर्माण के क्षेत्र में रोजगार में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सेवा के क्षेत्र में तो और भी अधिक तेज वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के बीच सेवा के क्षेत्र में रोजगार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा था, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के बीच इसमें 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस सबका असर बेरोजगारी की दर में कमी के रूप में देखने में आया है। देश में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017–18 के 6 प्रतिशत से वर्ष 2023–24 में घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। इसका सीधा असर कामकाजी आबादी अनुपात पर भी पड़ा है जो वर्ष 2017–18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023–24 में 58.2 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सबसे अच्छी स्थिति तो संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे नागरिकों की संख्या में वृद्धि से बनी है। क्योंकि संगठित क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं को नियोक्ताओं द्वारा कई प्रकार की अतिरिक्त सुविधाएं केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी नियमों के अंतर्गत प्रदान की जाती है। संगठित क्षेत्र में शामिल होने वाले युवाओं (18 से 28 वर्ष के बीच की आयु के) की संख्या में सितम्बर 2017 से सितम्बर 2024 के बीच 4.7 करोड़ की वृद्धि दर्ज हुई है, ये युवा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से भी जुड़े हैं। यदि किसी देश में मुद्रा स्फीति की दर लगातार लम्बे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहे एवं नागरिकों की आय में वृद्धि दर मुद्रा स्फीति में हो रही वृद्धि दर से कम रहे तो इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय परिवार के बचत एवं खर्च करने की क्षमता पर पड़ता है। यदि मध्यमवर्गीय परिवार के खर्च करने की क्षमता कम होगी तो निश्चित ही बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग भी कम होगी इससे विभिन्न कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री भी कम होगी। यह स्थिति हाल ही के समय में भारत की अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर है। अतः वित्तीय वर्ष 2024–25 के बजट से यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार द्वारा इस प्रकार के प्रयास किए जाएंगे जिससे मुद्रा स्फीति की दर देश में कम बनी रहे एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में वृद्धि हो। साथ ही, मध्यमवर्गीय परिवारों की आय पर लगाए जाने वाले आय कर में भी कमी की जानी चाहिए। बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों पर ब्याज दरों में कमी की घोषणा द्वारा भी मध्यमवर्गीय परिवारों को कुछ हद्द तक राहत पहुंचाई जा सकती है। ऋण पर ब्याज दरों में कमी करने से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा ऋण खातों में जमा की जाने वाली मासिक किस्त की राशि में कमी होती है और उनकी खर्च करने की क्षमता में कुछ हद्द तक सुधार होता है।

धार्मिक परंपराओं के पर्वः लोहड़ी और मकर संक्रांति

नीता शर्मा
शिलोंग, मेघालय

लोहड़ी भारत का एक अहम और खुशियों से भरा हुआ त्यौहार है जो विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू में मनाया जाता है। यह त्यौहार मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। पंजाब में विशेष रूप से फसल कटाई के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व का विशेष महत्व किसानों के जीवन से होता है क्योंकि यह उनकी कड़ी मेहनत और नई फसल के आगमन का उत्सव है। लोहड़ी के दिन बच्चे घर–घर जाकर तिल और गुड़ लेकर आते हैं और लोगों से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। लोहड़ी के दिन लोगों के दिलों में सर्दी खत्म होने और गर्मी के स्वागत की खुशी मनाई जाती है। यह त्यौहार हर किसी के लिए एक नई आशा और खुशियों का प्रतीक बनकर आता है और साथ ही अपने पारंपरिक रीति रिवाज और सांस्कृतिक धरोहरों को समझने का अवसर प्रदान करता है। लोहड़ी न केवल एक उत्सव है बल्कि यह जीवन के नए वर्ष के साथ जीवन में नए आरंभ का प्रतीक भी है जो लोगों को अपनी पुरानी परेशानियों को भूलकर खुश रहने का संदेश देता है इस दिन लोग अपने जीवन में नए उत्साह और उमंग का अनुभव करते हैं। लोहड़ी हमें यह सिखाती है कि मौसम के बदलावों के अनुसार ही हमें हर कठिनाई के बाद नए सिरे से बदलाव के साथ ही जीवन की नई शुरुआत करनी चाहिए।

लोहड़ी का इतिहास बहुत दिलचस्प है इससे जुड़ी कई मान्यताएं हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह त्यौहार देवी सती के अपने पिता के यज्ञ में पति भोलेनाथ के किए गए अपमान से क्रोधित हो यज्ञ की अग्नि में ही आत्मदाह के बाद मनाया गया था। पंजाब की मान्यता के अनुसार इस त्यौहार की कहानी दूल्हा भट्टी से जुड़ी हुई है जो मुगल साम्राज्य में पंजाब के एक प्रसिद्ध नायक थे। कहा जाता है की दुल्हा भट्टी ने अनगिनत अनाथ लड़कियों को मुगलों के चंगुल से बचाकर उनका विवाह कराया था। जिससे वह पंजाब के चहेते नायक के रूप में प्रसिद्ध हुए। इसी वजह से लोहड़ी के दिन लोग उनकी साहसिक और मानवता से ओतप्रोत कहानी को गाकर सुनाते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस त्यौहार का विशेष महत्व अग्नि से जुड़ा हुआ है। क्योंकि सर्दी की विदाई और गर्मी के स्वागत के रूप में इस त्यौहार को मनाया जाता है इसलिए इस दिन लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर अग्नि के चारों ओर परिक्रमा करते हैं पारंपरिक गीत गाते और नाचते हैं। यह एक सामूहिक खुशी का उत्सव होता है जिसमें हर कोई एक दूसरे के साथ मिलकर इस दिन की विशेषता को महसूस करता है। जम्मू प्रांत में सुबह से ही बच्चे नहा धोकर तैयार हो जाते हैं। लड़कियां घर–घर लोहड़ी मांगने जाती है जिनमें लोहड़ी के विशेष गीत गाकर हर घर के दरवाजे पर खड़ींभोकर लोहड़ी मांगते है और घर के सदस्य उन्हें मूंगफली रेवाड़ी और पैसे देकर विदा करते हैं ये पैसे ही उनकी लोहड़ी मानी जाती है। परंपराओं के अनुसार लड़के एक त्रिकोण बनाकर हर घर में जिसे ष्बंबोराष कहते हैं उसे ले जाकर नाचते और लोहड़ी के गीत गाकर लोहड़ी मांगते हैं। बच्चों के लिए यह बहुत उत्साह का दिन माना जाता है क्योंकि हर घर से जहां वह लोहड़ी मांगने जाते हैं उन्हें कुछ पैसे भेंट किए जाते हैं यह उनकी दिनभर की कमाई हुई लोहड़ी होती है। चूंकि समय बदलने के कारण ये परंपराएं धीरे धीरे लुप्त होती जा रही हैं परन्तु छोटे कस्बों और गांवों में ही सीमित होकर रह गई हैं जो चिंताजनक है। शाम के समय घर परिवार के लोग इकट्ठे होकर घर के आंगन में लड़कियों का अलाव जलाते हैं और अग्नि की पूजा करते हैं पूजा के लिए प्रसाद के रूप में मूंगफली, रेवाड़ी, गुड़, तिल, मक्का के दाने और चिड़वा यह सब इकट्ठा करके जल और प्रसाद से अग्नि देव को अर्ग दिया जाता है और इसके चारों और परिक्रमा कर मंत्र उच्चारण के साथ प्रणाम किया जाता है। उसके बाद इसी प्रसाद को सभी में बांटकर खाया जाता है। बच्चे और बड़े इस पवित्र अग्नि के पास नाचते और गाते हैं। पंजाब में विशेष कर सुंदर मुंदरिये और दुल्ला भट्टी वाले गीत गाए जाते हैं। लोग तिल, मूंगफली, गुड़ और रेवड़ी का सेवन करते हैं क्योंकि यह खाद्य पदार्थ शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं और सर्दी से राहत देते हैं। यह परंपरा भी दर्शाती है कि इस दिन को मनाने का एक उद्देश्य सर्दी के मौसम को अलविदा कहना और गर्मी का स्वागत करना है।

पंजाब में विशेषकर मक्के की रोटी और सरसों का साग इस दिन लोगों का प्रमुख भोजन होता है क्योंकि यह भोजन पंजाबी संस्कृति का हिस्सा है और लोहड़ी के दिन इस खघस बनाया जाता है। लोहड़ी प्रेम और भाईचारे का त्यौहार है जो हमें मिलजुल कर खुशियां मनाने की प्रेरणा देता है। लोहड़ी के अगले दिन मनाया जाता है हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण धार्मिक परंपराओं से भरा पावन पर्व ष्मकर संक्रांतिष। संक्रांति यानी समक्रांति। अपने अंतर्मन में की गई क्रांति, अपने को शुद्ध करने की क्रांति। एक ऐसी क्रांति जिसमें बिना किसी को नुकसान पहुंचाए तप, त्याग, ध्यान, दान और पूजन से अपने आप को शुद्ध किया जाए। अपने तन, मन और आत्मा को शुद्ध किया जाए और ऐसी क्रांति केवल सनातन धर्म में ही की जा सकती है। सनातन धर्म ही ऐसा धर्म है जो आत्मा को परमात्मा से मिलने के लिए भिन्न–भिन्न उपाय और तपस्या का ज्ञान देता है जिसमें किसी जीव–जंतु या निर्जीव को भी बिना हानि पहुंचाए ईश्वर की भक्ति और ईश्वर से मिलन किया जाता है। हिंदू धर्म में प्रत्येक माह को दो पक्षों में बांटा गया है ष्कृष्ण पक्षष और ष्शुक्ल पक्षष। इस प्रकार वर्ष को भी दो आयनों में बांटा गया है ष्उत्तरायण' और ष्दक्षिणायनष। यदि दोनों को मिला दिया जाए तो 1 वर्ष पूर्ण हो जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की उत्तरायण की गति प्रारंभ हो जाती है इसलिए मकर संक्रांति को उत्तरायण भी कहते हैं। मकर संक्रांति का आध्यात्मिक महत्व इस बात से माना गया है कि पृथ्वी की तुलना में जब सूर्य आकाश में धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है उसी दिन को मकर संक्रांति कहा जाता है जिसका धार्मिक ज्योतिष और वैज्ञानिक हर तरह से महत्व है और यह सब आपस में जुड़े हुए हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना मानी जाती है क्योंकि इस दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के अवसर का दिन मनाया जाता है। मकर संक्रांति हिंदू भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि के जन्म और आगमन से भी जुड़ा हुआ है। यह एकमात्र ऐसा त्यौहार है जिसे संपूर्ण भारत वर्ष में अलग–अलग नाम से मनाया जाता है। अलग–अलग राज्य में इसे अलग नाम से मनाया जाता है तमिलनाडु में इसे पोंगल के रूप में आंध्र प्रदेश कर्नाटक और केरल में केवल संक्रांति के नाम से मनाया जाता है जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में इस त्यौहार को खिचड़ी के नाम और असम में बोगली बिहू के नाम से मनाया जाता है। उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात सकारात्मक का प्रतीक माना जाता है इसलिए इस दिन पवित्र नदियों जैसे गंगा, यमुना, कावेरी, नर्मदा आदि में स्नान का विशेष महत्व होता है और साथ दान, तप, श्राद्ध आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व माना जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत कर उनके सिरों को मंदार पर्वत में दबाकर युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी इसलिए इस मकर संक्रांति के दिन बुराइयों और नकारात्मकता को समाप्त करने का दिन भी मानते हैं। ऐसा माना जाता है कि सूर्य अपने पुत्र शनि के से मिलने स्वयं उनके घर जाते हैं और शनि मकर राशि के स्वामी है इसलिए इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। महाभारत में पितामह भीष्म ने सूर्य के उत्तरायण होने पर स्वेच्छा से शरीर का परित्याग किया था इसका कारण यह था कि उत्तरायण में देह छोड़ने वाली आत्मा या तो कुछ काल के लिए देवलोक में चली जाती है या पुनर्जन्म के चक्र से उन आत्माओं को छुटकारा मिल जाता है

इन्डिया गठबंधन उसकी कोशिशों से बना

शकील अख्तर

कांग्रेस में प्रयोग का दौर लंबा चल गया। पार्टी अपनी क्षमता और कमजोरियों को पहचानने के बदले गठबंधन करने या न करने के एक छोर से दूसरे छोर के बीच लगभग 25 सालों से झूल रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी जो आजादी के आन्दोलन के नेतृत्व में कभी भ्रम या अनिश्चितता का शिकार नहीं हुई वह अब अधिकतर अनिर्णय की स्थिति में रहने लगी है। 139 साल पुरानी पार्टी है। पुराना होने का मतलब पुख्तगी (मजबूती) होता है। विरासत से इरादों की मजबूती सीखना। इन्दिरा गांधी कहती थीं– दूरदृष्टि कड़ी मेहनत पुख्ता इरादा। सीखना चाहिए। लोगों को अभी भी कांग्रेस से बहुत अपेक्षाएं हैं। जो विपक्षी दल इन्डिया गठबंधन टूट जाने की बातें कर रहे हैं वह भी यह कह रहे हैं कि कांग्रेस को इसे बचाने के लिए कुछ पहल करना चाहिए। सीधी बात है कि राष्ट्रीय दल एकमात्र है। इन्डिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा कोई भी करे मगर किसी की पहुंच पूरे देश तक नहीं है। साढ़े दस साल से सत्ता में बनी भाजपा की भी नहीं। उत्तर दक्षिण पूर्व पश्चिम हर जगह हर गांव कस्बे में कांग्रेस का झंडा होगा। कोई न कोई कांग्रेसी होगा जो 26 जनवरी 15 अगस्त को लेकर निकलता होगा। कांग्रेस को आप खारिज कर नहीं सकते। प्रधानमंत्री मोदी का इसीलिए सारा जोर कांग्रेस पर लगा रहता है। यह कांग्रेस की क्षमता है। जिसे उसे समझने की जरूरत है। बेलगावी कर्नाटक की सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस ने कहा कि 2025 में कोई काम नहीं है। सिर्फ दो चुनाव हैं। दिल्ली और फिर साल के आखिर में बिहार। दोनों जगह वह भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने कहा कि वह 2025 को संगठन का साल बनाएगी। अच्छी बात है। क्योंकि खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इससे पहले दिल्ली की सीडब्ल्यूसी में बहुत ही साफ शब्दों में पार्टी की कमजोरियों को स्वीकार कर चुके हैं। एक संगठन नहीं। दो भयानक गुटबाजी। एक दूसरे को हराने में सारी ताकत लगाना। तीन कोई रणनीति नहीं। योजना बनाकर चुनाव नहीं लड़ना। चार चुनावों की पहले से तैयारी नहीं करना। सामने आ जाने पर जैसे तैसे लड़ लेना। यह कमजोरियां हैं। तो ताकत और कमजोरी दोनों हैं। मगर उन्हें समझने और फिर उन पर काम करना की जरूरत है। इस साल की शुरूआत संगठन के हिसाब से ठीक हो रही है कि उसका अपना नया मुख्यालय बनकर तैयार हो गया है। और 15 जनवरी को कांग्रेस संसदीय दल की नेता उसका उद्घाटन कर रही हैं। सोनिया ने ही इसका शिलान्यास किया था। बहुत पहले जब उनकी केन्द्र में सरकार थी। कांग्रेस के स्थापना दिवस 28 दिसंबर, 2009 को। पूरे 15 साल हो गए। अब बना। खैर! साल अच्छा है। लेकिन यह पार्टी आफिस बनने, संगठन का साल घोषित करने के मामले कांग्रेस के अपने हैं। आन्तरिक। लेकिन दूसरा पहलू भी बहुत महत्वपूर्ण है। विपक्षी एकता का। कांग्रेस के लिए सबसे ज्यादा। इसलिए कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने कभी भी बीजेपी से समझौता नहीं किया। और आज लड़ाई बीजेपी से ही है। और उस बीजेपी से जो अपने इतिहास में सबसे मजबूत इसी समय है। बाकी सारे विपक्षी दल कभी ना कभी बीजेपी के साथ रह चुके हैं उसका समर्थन कर चुके हैं। 1967 में लोहिया के गैर कांग्रेसवाद के समय, 1975 में जेपी आन्दोलन के समय, 1989 में वीपी के समय और लास्ट अभी 2012 –13 के अन्ना आन्दोलन के समय। लेफ्ट लालू, मुलायम, ममता सब कभी ना कभी बीजेपी के साथ एक नाव पर सवारी कर चुके हैं। कांग्रेस को हटाने के नाम पर बीजेपी का साथ सबने दिया। मगर कांग्रेस अभी है। जनता उसे चाहती है। कांग्रेस के बारे में वह शेर जो सुन–सुना कर हो तो बहुत प्रचलित गया है। मगर सटीक बैठता है कि–श्मुद्दई लाख बुरा चाहे तो क्या होता है, वही होता है जो ...! और इसीलिए कांग्रेस की जिम्मेदारी भी बड़ी है। इन्डिया गठबंधन उसकी कोशिशों से बना था। दो काम एक साथ हो रहे थे। राहुल की पहली यात्रा। भारत जोड़ो। और इन्डिया गठबंधन की बैठकें। पटना, बैंगलूरू, मुम्बई। एकता संभव हुई। इन्डिया गठबंधन बना। और सफल रहा। रिएक्शन में भाजपा ने एनडीए की बैठक की। उस एनडीए की जिसका नाम भी बीजेपी नहीं लेती थी। इन्डिया गठबंधन पर तगड़े हमले शुरू हुए। भाजपा, मीडिया, मोदी सबके। उनका डर था। और वह सही निकला। लोकसभा में भाजपा बहुमत से दूर रह गई। कहां उसके पास 2019 में 303 सीटें थीं। और 2024 में मोदी चार सौ पार का नारा लगा रहे थे। वहीं विपक्षी एकता के दम पर भाजपा के केवल 240 पर रुक गई। चन्द्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जयंत चौधरी और मांझी ऐसे कई छोटे–छोटे दलों का समर्थन लेना पड़ा। जैसा राहुल ने कहा 56 इंच की छाती नहीं रही। सही बात है। और यह संभव हुआ एक होकर लड़ने से। जनता का डर खत्म हुआ। वह सामने आई और छाती सिकुड़ गई। अब दोनों बातें अलग–अलग हैं। पहली कांग्रेस के अपने संगठन की। जिसे उसे बिना किसी के लिहाज, फेवर, नाराज होने के डर और जो एक शब्द कांग्रेस में चलता है एडजस्ट करना से दूर होकर करना पड़ेगा। खुद खरगे के मानने, सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के बाद कि संगठन कहीं नहीं है इस काम को सबसे टाप प्रायरटी पर करना होगा। बेलगावी सीडब्ल्यूसी में एक बात और कही थी कि योग्य लोगों को ढूंढ कर लाना होगा। यह सबसे महत्वपूर्ण है। गणेश परिक्रमा करने वालों से बचना होगा। दूसरी बात विपक्षी एकता की। यह भी उतनी ही जरूरी है। आप खुद समर्थ हों और साथ में साथी हों तो लड़ाई आसान हो जाती है। नहीं तो अकेले–अकेले सब दीवार से सिर फोड़ते रहते हैं। कांग्रेस ने 2004 में जो वाजपेयी सरकार को हराकर जीत पाई थी वह गठबंधन राजनीति का ही परिणाम था। कांग्रेस ने 1998 में अपने पचमढ़ी सम्मेलन में एकला चलो की नीति अख्तियार की थी। मगर उसके बाद हुए 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष थीं। उन्होंने 2003 में दूसरा चिंतन सम्मेलन किया। शिमला में। और यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाते हुए गठबंधन की राजनीति को स्वीकार किया। नतीजा फौरन मिला। 2004 में केन्द्र में यूपीए की सरकार बन गई। गठबंधन हो या एकला चलो यह पार्टी की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। इसका कोई सिद्धांत या नियम नहीं है। 1967 में समाजवादियों से गठबंधन करके ही भाजपा के तब के जनसंघ के देश की मुख्यधारा की राजनीति में आने के द्वार खुले। अगर लोहिया अपने अंध नेहरू विरोध में जनसंघ को साथ नहीं लाते तो वह हिन्दू महासभा की तरह ही सीमित दायरे की पार्टी बनकर रह जाती। इसके बाद भाजपा सत्ता और अवसरवाद का मतलब समझने लगी। 1977 में उसने सत्ता के लिए अपनी पार्टी ही खतम कर दी। जनता पार्टी में विलिन हो गई।

अथिया शेट्टी ने दिखाया Baby Bump, केएल राहुल ने शेयर की प्यारी फोटोज

भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की कुछ यादें अपने इंस्टाग्राम अकाऊंट पर शेयर की है। इन तस्वीरों में उनकी पत्नी अथिया शेट्टी पलं भी दिखीं जोकि गर्भवती हैं। अथिया का पहली बार सार्वजनिक तौर पर बेबी बंप दिखने के बाद उनके फैंस बेहद खुश नजर आए। फैंस ने कपल को खूब शुभकामनाएं दीं। केएल राहुल साझा की गई एक तस्वीर में एक कैफे के बाहर बैठे हुए चाय का गिलास पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में दो कप कॉफी और एक ब्राउनी दिखाई दे रही है, जिससे पता चलता है कि वह पत्नी अथिया शेट्टी के साथ डेट पर थे। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की कि केएल का फैशन हमेशा शीर्ष पर है। जबकि दूसरे ने लिखा–जूनियर केएल जल्द ही आ रहे हैं। अथिया शेट्टी और केएल राहुल जनवरी 2023 में शादी के बंधन में बंधे। नवंबर 2024 में जोड़े ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है। 2025. अथिया और राहुल। सुनील शेट्टी की बेटी और अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने 2015 में निखिल आडवाणी निर्देशित फिल्म हीरो से अभिनय की शुरुआत की। वह मुबारकां और मोतीचूर चकनाचूर जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। केएल राहुल से शादी के बाद वह फिल्मों से थोड़ा दूर ही चल रही हैं। केएल राहुल और अथिया शेट्टी के बीच रिश्तों का सबसे पहले खुलासा सोशल मीडिया पर हुआ जिसमें दोनों एक दूसरे को जन्मदिन पर बधाइयां देते नजर आए। 2021 में केएल राहुल ने अथिया की एक प्यारी तस्वीर जन्मदिन की शुभकामनाएं समेत पोस्ट कर अपने रिश्ते को कबूल किया था। अथिया के पिता सुनील शेट्टी ने उनकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने से परहेज करके उनकी गोपनीयता का सम्मान किया।

> “ उनका प्यार तब और अधिक स्पष्ट हो गया जब अथिया भारतीय क्रिकेट टीम के विदेशी दौरों पर केएल राहुल के साथ शामिल होने लगीं। इस जोड़े ने एक साथ विज्ञापन की दुनिया में भी कदम रखा, जो उनके रिश्ते में एक और मील का पत्थर साबित हुआ।

उनका प्यार तब और अधिक स्पष्ट हो गया जब अथिया भारतीय क्रिकेट टीम के विदेशी दौरों पर केएल राहुल के साथ शामिल होने लगीं। इस जोड़े ने एक साथ विज्ञापन की दुनिया में भी कदम रखा, जो उनके रिश्ते में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। केएल राहुल ने अथिया के साथ अहान शेट्टी की फिल्म तड़प की स्क्रीनिंग में भाग लेकर शेट्टी परिवार के साथ अपनी निकटता का प्रदर्शन किया।

मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं..शिल्पा शिंदे का शो बिग बॉस को लेकर शॉकिंग खुलासा, बोलीं–दर्शकों को उल्लू बनाते हैं

सलमान खान का कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस–18 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब शो धीरे–धीरे अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे एक चौकाने वाला खुलासा किया है और शो के मेकर्स पर दर्शकों को उल्लू बनाने का आरोप लगाया है। शिल्पा शिंदे एक वायरल वीडियो में कह रही हैं कि मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ लोगों को यह पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं। वे खुद ही चुनते हैं, अपने घर से उठाकर लाते हैं और दिखाते हैं। अब चौनल की जो भी स्ट्रैटजी हो, वह लोगों को भी पता चल गई है, इसलिए लोग अब शो ज्यादा नहीं देख रहे हैं, क्योंकि आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं। शिल्पा के इस वीडियो पर यूजर्स खूब कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, श्बात तो सही है।, दूसरे ने लिखा, इसका मतलब यह है कि आपको भी मेकर्स ने ही विनर बनाया, आप डिजर्व नहीं करती थीं जितना।श, तीसरे ने लिखा, श्हां, क्योंकि हिना शो को डिजर्व करती थीं। बता दें, बिग बॉस सीजन 11 में शिल्पा शिंदे का मुकाबला हिना खान के बीच था, लेकिन शो शिल्पा शिंदे ने ही जीता था।

कंगना रनौत ने सलमान खान को बताया अपना अच्छा दोस्त, कहा-जल्द ही हम दोनों साथ काम करेंग

कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 17 जनवरी को पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। इसी बीच, एक इंटरव्यू में कंगना ने बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने सलमान खान को अपना अच्छा दोस्त बताते हुए कहा कि दोनों को कई बार साथ काम करने का मौका मिला, लेकिन किसी कारणवश अब तक यह नहीं हो पाया। हालांकि, कंगना ने उम्मीद जताई कि भविष्य में वह सलमान के साथ काम जरूर करेंगी। इंटरव्यू में कंगना ने कहा, सलमान मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारे पास कई मौके आए हैं जब हम साथ काम कर सकते थे, लेकिन किसी न किसी कारणवश हम साथ नहीं काम कर पाए। मुझे पूरी उम्मीद है कि जल्दी ही हम दोनों साथ काम करेंगे। कंगना ने यह भी बताया कि सलमान खान ने उन्हें बजरंगी भाईजान फिल्म में एक रोल ऑफर किया था। कंगना ने कहा, मैं हैरान होकर उनसे पूछा था कि यह क्या रोल दिया है? इसके अलावा, कंगना ने बताया कि सलमान ने उन्हें सुल्तान फिल्म के दौरान भी संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने वह भी ठुकरा दिया। कंगना ने मजाक करते हुए कहा, सलमान ने मुझसे कहा था, अब तुम्हें और क्या ऑफर करूं? कंगना ने यह भी कहा कि भले ही उन्होंने सलमान के कई ऑफर्स को नकारा किया, लेकिन सलमान हमेशा उनसे अच्छे से पेश आते हैं और उनसे संपर्क करते रहते हैं। इसके अलावा, कंगना ने बताया कि सलमान इमरजेंसी फिल्म देखने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। कंगना की फिल्म इमरजेंसी 1975 से

1977 के बीच के 21 महीने की अवधि पर आधारित है, जब भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल (इमरजेंसी) की घोषणा की थी। इस फिल्म में कंगना इंदिरा गांधी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राम कपूर ने राखी सावंत को सेल्फ–मेड बताया, तारीफ के बांधे पुल, कहा– इंडस्ट्री ने उनका दुरुपयोग करने की कोशिश की

अभिनेता राम कपूर जिन्होंने लोकप्रिय रियलिटी टीवी सीरीज राखी का स्वयंवर की मेजबानी की थी, उनका मानना है कि अभिनेता–नर्तक राखी सावंत एक स्व–निर्मित स्टार हैं, जिन्होंने मनोरंजन उद्योग में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि फिल्म उद्योग ने उनका दुरुपयोग करने का प्रयास किया।

सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए, राम ने कहा, आज, पूरा देश राखी सावंत का नाम जानता है। उन्होंने कहा, ष्वह मुंबई में एक 3BHK समुद्र–सामने वाले अपार्टमेंट में रहती हैं, जहाँ मैं गया हूँ, और वह खुद की मालिक हैं। सम्मान! उन्होंने यह खुद हासिल किया है। बड़े अच्छे लगते हैं के अभिनेता ने कहा कि भले ही वह राखी के कार्यों या बयानों से सहमत न हों, लेकिन वह स्वतंत्र रूप से अपना जीवन बनाने के लिए उनका सम्मान करते हैं।

राम ने टिप्पणी की मैं उनके दर्शन, पागलपन से सहमत नहीं हो सकता...वही बातें बोलती हैं (वह बिलकुल बकवास बातें करती हैं), लेकिन वह जो भी करती हैं, सच्चाई यह है कि वह अपने दम पर अपनी जिंदगी बनाने में कामयाब रही हैं, और मैंने यह देखा है। आप इसका सम्मान कैसे नहीं कर सकते?

राम ने राखी का स्वयंवर होस्ट करने के दौरान राखी के जीवन के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, ष्कोई एक अच्छी, सेक्सी डांसर है जिसका इंडस्ट्री ने दुरुपयोग करने की कोशिश की...उसके बहुत सारे गंदे अनुभव हैं... (एक अच्छी, सेक्सी डांसर, जिसका इंडस्ट्री ने दुरुपयोग करने की कोशिश की...उसके बहुत सारे बुरे अनुभव हैं।) कोई गॉडफादर नहीं, कुछ नहीं...मैंने यह सब राखी का स्वयंवर की वजह से देखा, इसलिए आप हर चीज से सीखते हैं। इस बीच, राम कपूर खुद अपने उल्लेखनीय शारीरिक परिवर्तन के लिए चर्चा में हैं, उन्होंने 18 महीनों में 55 किलो वजन कम किया है। राखी सावंत ने अपने संगीत वीडियो, परदेसिया और मोहब्बत है मिर्ची से प्रसिद्धि पाई। उन्होंने फराह खान की फिल्म मैं हूं ना में भी अभिनय किया।

बीच किनारे पति संग हुई रोमांटिक, बेटी देवी पर लुटाया प्यार..मालदीव वेकेशन से बिपाशा ने शेयर की एक से बढ़कर एक तस्वीरें

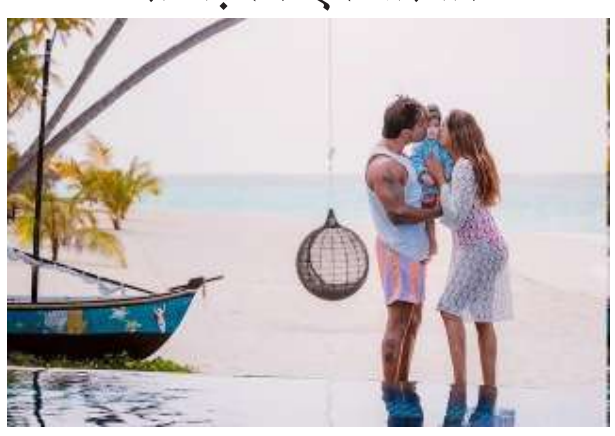

बिपाशा बसु इन दिनों अपनी नन्हीं बेटी देवी और पति करण सिंह ग्रोवर के साथ मालदीव में छुट्टियां बिता रही हैं और खूबसूरत पलों को कैमरे में संजो रही हैं। साथ ही साथ वह अपने फैंस के साथ वहां की खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। कई तस्वीरों में उनकी लाडली देवी भी क्यूट अंदाज में नजर आ रही हैं। फैंस क्यूट फैमिली की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं।

कई तस्वीरों में वह सोलो पोज दे रही हैं तो कइयों में वह अपने पति करण सिंह ग्रोवर के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही हैं। वहीं, कई तस्वीरें में कपल अपनी लाडली देवी पर प्यार लुटाता नजर आ रहा है। उनकी बेटी देवी समुद्र तट पर खेलते हुए नजर आ रही हैं। काम की बात करें तो करण सिंह ग्रोवर हाल ही में फिल्म फाइटर में नजर आए थे। यह फिल्म सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी एक एरियल एक्शन थ्रिलर है, जिसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक सफलता हासिल की। वहीं, बिपाशा बसु को आखिरी बार 2020 में वेब सीरीज डेंजरस में देखा गया था। सीरीज में बिपाशा के साथ उनके पति करण सिंह ग्रोवर, सोनाली राउत, नताशा सूरी और सुयश राय जैसे कलाकार भी नजर आए थे।

राज कुंद्रा ने लोहड़ी पर पंजाबी फिल्म में डेब्यू की घोषणा की, पत्नी शिल्पा शेट्टी ने दी प्रतिक्रिया

यूटी 69 से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद, व्यवसायी राज कुंद्रा पंजाबी फिल्म में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उन्होंने मोशन पोस्टर के साथ मेहर नामक अपनी नई परियोजना की घोषणा की। पोस्ट में वॉयसओवर में लिखा था, कहानी सिर्फ हीरो की नहीं होती, जीरो की भी होती है।

पोस्टर के साथ, कुंद्रा ने एक कैप्शन भी जोड़ा, जिसमें लिखा था, श्इस लोहड़ी पर, हमें मेहर की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है – रिश्तों, प्यार और जीवन की एक कहानी, जो हमारे आस–पास के आशीर्वाद से प्रेरित है। चूंकि मेहर का मतलब आशीर्वाद होता है, इसलिए हम विनम्रतापूर्वक इस खास यात्रा के लिए आपके प्यार और प्रार्थनाओं की कामना करते हैं। इस दिल को छू लेने वाली कहानी को जीवंत करने के लिए वाहे गुरु की मेहर हम सभी के साथ रहे।श

अभिनेत्री जैस्मीन भसीन ने भी ताली बजाने वाले इमोजी के साथ उन्हें बधाई दी। अभिनेता रोहित बोस रॉय ने लिखा, मुबारक मेरे भाई। राज के साथ, इस फिल्म में गीता बसरा भी होंगी और यह 5 सितंबर, 2025 को रिलीज होगी। उनके पोस्ट पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरीज सेक्शन में पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ऑल द बेस्ट, कुकी।

कुंद्रा ने यूटी 69 से अपने अभिनय की शुरुआत की, जो 2023 में रिलीज हुई। यह जेल में बिताए उनके समय पर आधारित एक व्यंग्यपूर्ण नाटक था, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका भी निभाई थी। राज कुंद्रा को हाल के वर्षों में कानूनी विवादों का सामना करना पड़ा है। कुंद्रा को 2021 में मुंबई पुलिस ने वयस्क सामग्री के उत्पादन और वितरण से जुड़े आरोपों में गिरफ्तार किया था, उन्होंने लगातार सभी आरोपों से इनकार किया है, यह दावा करते हुए कि उनके व्यवसाय वैध थे।

बची हुई आलू गोभी की सब्जी से बनाएं टेस्टी और हेल्दी डिश, नोट कर लें रेसिपी

अक्सर हमारे घरों में सब्जी के बचने के बाद उनको फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इन सब्जियों की मदद से आप कई बेहतरीन और स्वादिष्ट रेसिपी बना सकती हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी आलू गोभी की सब्जी शौक से खाते हैं। ऐसे में अगर आपके घर में आलू गोभी की सब्जी ज्यादा बनाई जाती है और खाने के बाद बची हुई सब्जी को फेंक देती हैं, तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको आलू गोभी की सब्जी की एक रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। इस आर्टिकल को पूरा पढ़ने के बाद अब आप भी बची हुई सब्जी को फेंकने के बजाय इसकी स्वादिष्ट रेसिपी बनाकर खाएंगी। साथ ही यह स्वादिष्ट रेसिपी घर के अन्य सदस्यों को भी पसंद आएगी। आज हम आपको बची हुई आलू गोभी की सब्जी से कबाब की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं इस रेसिपी के बारे में...

सामग्री

बची हुई आलू गोभी की सब्जी– 1 बाउल
आलू–1 (उबले हुए)
प्याज– 2 (बारीक कटा हुआ)
चाट मसाला– 1 छोटा चम्मच
गरम मसाला– आधा चम्मच
नमक–स्वादानुसार
धनिया के पत्ते–1 चम्मच
हींग– 1/4 चम्मच
ब्रेड चूरा–1 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर– 1 चम्मच
तेल–2 चम्मच (तलने के लिए)

ऐसे बनाएं

आलू गोभी की सब्जी का कबाब बनाने के लिए एक बाउल में बची हुई आलू डालें और इन्हें अच्छे से मैश कर लें।

फिर इसमें प्याज, अन्य सामग्रियां जैसे– लाल मिर्च पाउडर, हींग, गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, धनिया के पत्ते और उबले हुए आलू डालें।

सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे कबाब के आकार में बना लें।

फिर एक पैन में तेल गर्म कर लें।

अब पैन में कबाब को ब्रेड के चूरा में लपेट लें।

इसे दोनों तरफ से अच्छे से फ्राई कर लीजिए।

फ्राई होने के बाद इन्हें हरी चटनी के साथ सर्व करें।

इस आसान तरीके से आलू गोभी की सब्जी का कबाब बनाकर तैयार हो जाएगा।

रात में नहीं आती नींद तो सोने से पहले खाएं अजवाइन, अन्य फायदे भी कर देंगे हैरान

अजवाइन का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। इसका सेवन करने से पेट दर्द से लेकर गैस जैसी परेशानियों से छुटकारा मिलता है। किसी भी समय में आप अजवाइन का सेवन कर सकते हैं लेकिन रात में इसका सेवन करने से सेहत को ढेरों फायदे मिलते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो रात को सोने से पहले अजवाइन खाने से आपकी पाचन क्रिया बेहतर ठीक से काम करती है। साथ ही अन्य तरह की परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। तो चलिए आज इस आर्टिकल के जरिए आपको बताते हैं कि रात में अजवाइन का सेवन करने से सेहत को क्या–क्या फायदे होंगे....

अनिद्रा की समस्या होगी दूर

यदि आपको रात में अच्छी नींद नहीं आती तो आप अजवाइन का सेवन कर सकते हैं। रात में सोने से पहले यदि आप अजवाइन का सेवन करते हैं तो आपका मस्तिष्क शांत होगा और आपको अच्छी नींद आएगी।

सर्दी–जुकाम से मिलेगी राहत

यदि आपको सर्दी जुकाम की परेशानी है तो रात को सोने से पहले गर्म पानी के साथ अजवाइन का सेवन करें। इससे आप सर्दी–जुकाम जैसी समस्या से राहत पा सकेंगे। अजवाइन का सेवन करने के लिए 1 चम्मच अजवाइन लें और फिर इसमें 1 चुटकी काला नमक मिलाकर खाएं और इसके बाद एक गिलास गर्म पानी पी लें। आपको समस्या से काफी आराम मिलेगा।

डायरिया से मिलेगी राहत

डायरिया से जूझ रहे लोगों के लिए भी अजवाइन का सेवन बेहद लाभकारी होता है। रात में सोने से पहले 1 गिलास गर्म पानी करें इसमें 1 चम्मच अजवाइन डालकर अच्छे से गर्म करें। अब इस पानी को सोने से पहले 30 मिनट पिएं। इस पानी का सेवन करने से डायरिया और पेट से जुड़ी अन्य परेशानियां दूर होगी।

कब्ज से मिलेगा आराम

कब्ज की परेशानी से राहत पारने के लिए भी अजवाइन का सेवन बेहद लाभकारी रहेगा। 1 चम्मच अजवाइन को तवे पर भून लें। फिर रात में सोने से पहले इसे चबाकर खाएं फिर गर्म पानी पीएं। इससे सुबह तक आपका पेट साफ हो जाएगा।

जोड़ों का दर्द होगा दूर

रात में सोने से पहले अजवाइन का सेवन करने से जोड़ों के दर्द में भी आराम मिल सकता है। इसके लिए 1 चम्मच अजवाइन खाएं और एक गिलास गर्म पानी पीएं। इससे जोड़ों के दर्द से राहत मिलेगी।

कमर दर्द होगा दूर

यदि आपको कमर में दर्द रहता है तो रात में सोने से पहले 1 चम्मच भुनी हुई अजवाइन खाएं। अजवाइन खाने के बाद 1 गिलास गर्म पानी पीएं। ध्यान रखें कि अजवाइन का सेवन खाना खाने के बाद ही करें। इससे कुछ ही दिनों में कमर दर्द से आपको राहत मिलेगी। इसके अलावा आप अजवाइन का लेप भी लगा सकते हैं। इससे भी आपको काफी आराम मिलेगा।

सर्दियों में आग तापने का मजा आपके लिए बन सकता है सजा, जानें इसके नुकसान और बचाव

सर्दियों के दिनों में बहुत से लोग आग जलाकर उसके सामने बैठना पसंद करते हैं। हालांकि आग के धुएं में कई हानिकारक कण और गैस होती हैं, जो स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती हैं। आग तापने से धुएं के साथ कार्बन निकलता है। जो सांस नली से होकर बॉडी में पहुंचता है जिससे हीमोग्लोबिन मॉलिक्यूल ब्लॉक हो जाते हैं और शरीर का पूरा ऑक्सिजन ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्रभावित हो जाता है। चलिए जानते हैं किन लोगों को आग के धुएं से ज्यादा नुकसान होता है और इससे बचने के उपाय क्या हैं।

इन लोगों को होता है ज्यादा नुकसान

अस्थमा या सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगः जिन लोगों को अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, या सीओपीडी जैसी सांस की बीमारियां हैं, उन्हें धुएं से अधिक नुकसान होता है। धुएं के कण उनकी सांस लेने की नलियों में जलन पैदा कर सकते हैं।

बुजुर्ग लोगः बुजुर्गों का श्वसन तंत्र कमजोर हो सकता है, जिससे धुएं का प्रभाव उनके स्वास्थ्य पर ज्यादा पड़ता है।

बच्चेः बच्चों का फेफड़ा अभी पूरी तरह से विकसित नहीं होता है, इसलिए धुएं का प्रभाव उनके लिए अधिक हानिकारक हो सकता है।

गर्भवती महिलाएंः धुएं में मौजूद जहरीले कण गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं।

हृदय रोग के मरीजः धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड और अन्य जहरीली गैसें हृदय रोगियों के लिए खतरनाक हो सकती हैं, क्योंकि ये रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा को कम कर सकती हैं।

धुएं से बचने के उपाय

~~मास्क पहनेंः धुएं से बचाव के लिए एन95 या अन्य हाई–फिल्टर~~ मास्क पहनना बेहद जरूरी है। यह मास्क हानिकारक कणों को फेफड़ों में जाने से रोकता है।

आग से दूर रहेंः जितना संभव हो, धुएं वाली जगह से दूर रहें। अगर लोहड़ी जैसे त्यौहार के दौरान अग्नि के पास जाना जरूरी हो, तो थोड़ी दूरी पर रहें।

खिड़कियां और दरवाजे बंद रखेंः अगर आसपास आग जल रही हो, तो अपने घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें ताकि धुआं अंदर न आ सके।

ह्यूमिडिफायर का उपयोग करेंः ह्यूमिडिफायर का उपयोग करने से घर के अंदर की हवा को साफ रखने में मदद मिलती है और धुएं के कणों को हटा दिया जाता है।

अधिक पानी पिएंः अधिक पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है, जिससे धुएं के कारण होने वाली जलन और गले की सूजन को कम किया जा सकता है।

डॉक्टर से परामर्श लेंः यदि आपको सांस लेने में दिक्कत हो रही है या धुएं के संपर्क में आने के बाद असुविधा महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

हड्डियों में पाएं लोहे जैसी ताकत, इन दो सुपरफूड्स को अपने आहार में करें शामिल

अखरोट में मैंगनीज और कॉपर जैसे खनिज तत्व भी होते हैं, जो हड्डियों की संरचना को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से कैल्शियम की अवशोषण क्षमता भी बढ़ती है, जिससे हड्डियां और मसल्स दोनों मजबूत होते हैं। आप अखरोट को सीधे खा सकते हैं या इसे अपनी पसंदीदा स्मूदी, सलाद या ओटमील में डालकर भी खा सकते हैं।

हड्डियों का मजबूत और स्वस्थ रहना हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, हड्डियों में कमजोरी आने लगती है, जिससे उन्हें फ्रैक्चर होने का खतरा बढ़ जाता है। कई बार हड्डियां बिना किसी स्पष्ट कारण के कमजोर हो जाती हैं, जिसे हम ऑस्टियोपोरोसिस कहते हैं। इस समस्या से बचने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कुछ खास आहार को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी हड्डियां लोहे जैसी मजबूत और फौलादी बनें, तो आपको दो खास चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए। ये चीजें हैं – अखरोट और दूध। आइए, जानते हैं कैसे इन चीजों से हड्डियों को मजबूती मिल सकती है।

अखरोट

अखरोट एक ऐसा सुपरफूड है, जो हड्डियों के लिए वरदान साबित हो सकता है। इसमें ओमेगा–3 फैटी एसिड्स की प्रचुर मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूती देने में सहायक होते हैं। इसके अलावा, अखरोट में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो हड्डियों में सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह हड्डियों की घनता को बढ़ाने में भी सहायक है।

अखरोट में मैंगनीज और कॉपर जैसे खनिज तत्व भी होते हैं, जो हड्डियों की संरचना को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से कैल्शियम की अवशोषण क्षमता भी बढ़ती है, जिससे हड्डियां और मसल्स दोनों मजबूत होते हैं। आप अखरोट को सीधे खा सकते हैं या इसे अपनी पसंदीदा स्मूदी, सलाद या ओटमील में डालकर भी खा सकते हैं।

दूध

दूध हड्डियों के लिए एक बेहतरीन आहार है। यह कैल्शियम का एक प्रमुख स्रोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। दूध में विटामिन क भी पाया जाता है, जो कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है। यदि शरीर में कैल्शियम की कमी होती है, तो हड्डियां कमजोर हो सकती हैं और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ सकता है।

दूध पीने से हड्डियों की ताकत बनी रहती है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव होता है। अगर आप शाकाहारी हैं, तो आप सोया मिल्क, बादाम मिल्क जैसे विकल्पों का भी सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा, दूध में फास्फोरस और पोटैशियम भी होते हैं, जो हड्डियों और दांतों की सेहत को बनाए रखते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए ये टिप्स भी हैं फायदेमंद

धूप में बाहर निकलेंः सूरज की रोशनी से मिलने वाला विटामिन डी हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है।

प्रोटीन का सेवन करेंः प्रोटीन हड्डियों के लिए एक अहम तत्व है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में सहायक है।

कैल्शियम और विटामिन डी की खुराक लेंः अगर आहार से पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन डी नहीं मिल पा रहा है, तो डॉक्टर से परामर्श लेकर सप्लीमेंट्स का सेवन करें।

व्यायाम करेंः हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए व्यायाम, खासकर भार उठाना और दौड़ना, बहुत फायदेमंद होता है।

तंबाकू और शराब से दूर रहेंः इनसे हड्डियों की घनता कम होती है और वे कमजोर हो जाती हैं।

अगर आपकी हड्डियां कमजोर हो रही हैं और आप उन्हें मजबूत बनाना चाहते हैं, तो अखरोट और दूध का सेवन आज से ही शुरू करें। इन दोनों खाद्य पदार्थों में वो पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को फौलादी बनाने में सहायक हैं। इसके साथ ही, संतुलित आहार, व्यायाम, और सही जीवनशैली अपनाकर आप अपनी हड्डियों को सेहतमंद बना सकते हैं।

संक्षिप्त

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 16 जनवरी से सिंगापुर, दावोस की यात्रा पर

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी डी श्रीधर बाबू और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 20 से 22 जनवरी तक होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में शिरकत करेंगे। जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली डब्ल्यूईएफ बैठक से पहले रेड्डी 16–19 जनवरी तक सिंगापुर का दौरा करेंगे। वहां पर वह तेलंगाना में निवेश और प्रस्तावित कौशल विश्वविद्यालय के लिए संभावित गठजोड़ पर विभिन्न फर्मों के साथ चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इसमें बताया गया कि दावोस की पिछली यात्रा के परिणामस्वरूप तेलंगाना ने 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, विभिन्न परियोजनाओं के लिए हस्ताक्षरित कुल 18 सहमति पत्रों में से 17 पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। रेड्डी ने भरोसा जताया कि तेलंगाना की औद्योगिक नीति भविष्य में बड़े निवेश को आकर्षित करेगी।

आरबीआई अगली समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती करें

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को फरवरी में अगली नीति समीक्षा में प्रमुख दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती के साथ इसमें कटौती चक्र शुरू करना चाहिए। डॉयचे बैंक (डीबी) के विश्लेषकों ने कहा कि ब्याज दरों में कटौती में देरी से वृद्धि पर और अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यदि कार्रवाई में देरी की गई तो आरबीआई के भी पिछड़ जाने का खतरा है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि आरबीआई फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगा, जिससे पहली छमाही में रेपो दर छह प्रतिशत पर आ जाएगी।'' विश्लेषकों ने कहा कि भारत में मौद्रिक संचरण कम से कम तीन तिमाहियों के अंतराल के साथ काम करता है। इसलिए आरबीआई द्वारा फरवरी से दरों में कटौती शुरू करने के लिए यह सही समय लगता है। उन्होंने ब्याज दरों में कटौती में देरी न करने का आग्रह करते हुए कहा, '' हमारा मानना घ्है कि जितनी जल्दी ब्याज दरों में कटौती की जाएगी, वृद्धि पर उतना ही कम असर पड़ेगा। '' गौरतलब है कि आरबीआई ने पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास के नेतृत्व में पिछली 11 नीतिगत समीक्षाओं के दौरान ब्याज दरों को स्थिर रखा है। हालांकि वृद्धि दर कई तिमाहियों के निचले स्तर पर पहुंच गई है और अब सभी की निगाहें फरवरी में उनके उत्तराधिकारी संजय मल्होत्रा घ्क्के नेतृत्व में होने वाली पहली ब्याज दर समीक्षा पर टिकी हैं। डॉयचे बैंक...कंपनियों, सरकारों, संस्थागत निवेशकों, छोटे तथा मझोले आकार के व्यवसायों और निजी व्यक्तियों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।

कर्मचारियो के काम के घंटों से ज्यादा उनका सशक्तीकरण महत्वपूर्ण–चेयरमैन

नयी दिल्ली । आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने सप्ताह में 90 घंटे काम करने के विवाद पर कहा है कि कर्मचारियों के लिए कामकाजी घंटे निर्धारित करने के बजाय उन्हें कंपनी के व्यापक दृष्टिकोण के साथ जोड़ना अधिक महत्वपूर्ण है। पुरी ने कर्मचारियों को निश्चित घंटों तक काम करने के सवाल पर कहा, '' हम ऐसा नहीं करेंगे। हम चाहते हैं कि लोग (कंपनी की) यात्रा का हिस्सा बनें और जोश से इसमें शामिल हों तथा उद्यम में बदलाव लाने की उनमें इच्छा हो.. .हम इसे इस तरह देखते हैं।'' आईटीसी सिगरेट से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं तक के कारोबार में है। उन्होंने कहा, '' कंपनी लचीले कामकाजी माहौल पर जोर देती है जिसमें सप्ताह में दो दिन घर से काम करना भी शामिल है।'' गौरतलब है कि भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग व निर्माण कंपनी लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस. एन. सुब्रह्मण्यन के कर्मचारियों को घर पर बैठने के बजाय रविवार सहित हर सप्ताह 90 घंटे काम करने के बयान पर जारी विवाद को लेकर पुरी ने यह टिप्पणी की है। सुब्रह्मण्यन एक वीडियो में कर्मचारियों के साथ बातचीत में कहते दिखे थे '' मुझे खेद है कि मैं आप लोगों से रविवार को काम नहीं करा सकता। आप घर बैठकर क्या करेंगे? आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक निहार सकते हैं और आपकी पत्नी कितनी देर तक आपको देख सकती है?'' इस वीडियो के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद निजी जिंदगी और काम के बीच संतुलन को लेकर बहस छिड़ गई है। पुरी ने 'पीटीआई–भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, '' मैं जानता हूं कि उन पर (सुब्रमण्यन पर) काफी बहस हो चुकी है, लेकिन मैं आपको बता दूं कि इसको देखने का आपका क्या नजरिया है।'' इसके बाद उन्होंने बताया कि कंपनी के दृष्टिकोण और लक्ष्य के अनुरूप कर्मचारियों को सशक्त बनाना कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, '' अगर आप ईंट लगाने वाले किसी राजमिस्त्री से पूछें, तो (वह कहेगा) मैं ईंट लगा रहा हूं। कोई कह सकता है कि मैं दीवार बना रहा हूं। कोई कह सकता है कि मैं इस पूरे दल का हिस्सा हूं जो यहां महल बना रहा है और जो व्यक्ति कहता है कि मैं महल बना रहा हूं उसका नजरिया एकदम अलग है।'' पुरी ने कहा कि दूरदर्शिता, मूल्य और जीवंतता ही आईटीसी का सार है। इससे पहले इन्फोसिस के सह–संस्थापक नारायण मूर्ति ने 70 घंटे के कार्य सप्ताह का सुझाव दिया था। वहीं उससे पहले अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा था कि अगर कोई घर पर आठ घंटे से अधिक समय बिताएगा तो उनकी '' पत्नी भाग जाएगी।

पहले भारतीय रेसिंग ड्राइवर बनने से लेकर स्टार्टअप शुरू करने तक, दिलचस्प रही है नारायण कार्तिकेयन की कहानी

नई दिल्ली। फॉर्मूला वन रेसिंग और भारत का नाम जब भी साथ में लेने पर लोगों की जवान पर सबसे पहला नाम नारायण कार्तिकेयन का ही आता है। कार्तिकेयन भारत के एकमात्र फॉर्म्यूला वन रेसर थे। उन्होंने 2005 में जॉर्डन टीम के साथ ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्री से अपने फॉर्म्यूला वन करियर की शुरुआत की थी। नारायण के पिता जी.आर. कार्तिकेयन पूर्व भारतीय राष्ट्रीय रैली चौंपियन हैं। इसी वजह से नारायण की कार रेसिंग गेम्स में बचपन से ही दिलचस्पी थी। उन्होंने बचपन से ही भारत का प्रथम फार्मूला वन ड्राइवर बनने का सपना देखा हुआ था जो उन्होंने सिर्फ 16 साल की उम्र में पूरा कर लिया।

चेन्नई के पास श्री पेरम्बूर में हुई नारायण की पहली रेस का नाम था 'फार्मूला मारुति'। उन्होंने इस रेस में न सिर्फ इसमें भाग लिया बल्कि विनर भी रहे। उन्होंने फ्रांस के एल्फ विन्फील्ड रेसिंग स्कूल से ट्रेनिंग ली और 1992 को फार्मूला रिनॉल्ट कार की पायलट एल्फ प्रतियोगिता में सेमी फाइनलिस्ट बने। नारायण के नाम एक दो तीन नहीं कई सारे खिताब हैं। 1993 में नारायण फार्मूला मारुति रेस में भाग लेने भारत आए। उन्होंने 'फार्मूला वॉक्सहाल जूनियर चौंपियनशिप' में ब्रिटेन में भी भाग लिया। यूरोपीय रेसिंग में अनुभव के बाद 1994 में 'फार्मूला फोर्ड जेटी सीरीज' में फाउंडेशन रेसिंग टीम में नम्बर दो ड्राइवर के रूप में उन्होंने ब्रिटेन में भाग लिया।

उसी साल एस्टोरिल रेस में भी वह जीत गए। वह 'ब्रिटिश फार्मूला फोर्ड सीरीज' में यूरोप में चौंपियनशिप जीतने वाले प्रथम भारतीय बने। उसके बाद नारायण कार्तिकेयन ने 'फार्मूला एशिया चौंपियनशिप' की ओर रुख किया। 1995 में उन्होंने कार रेस में भाग लिया और अपनी काबिलियत को साबित किया। मलेशिया के शाह आलम में उन्होंने दूसरी रैंक हासिल की। 1996 का पूरा साल उन्होंने फार्मूला वन रेसों में ही बिताया और सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। फार्मूला एशिया इन्टरनेशनल सीरीज में जीतने वाले वह प्रथम भारतीय ही नहीं प्रथम एशियाई भी थे।

1999 में नारायण ने पांच बार चैंपियनशिप जीती जिसमें से दो बार ब्रांड्स हैच रेस में विजयी रहे। 2010 में उनके अचीवमेंट के लिए भारत सरकार ने पद्म श्री पुरस्कार से भी नवाजा। रेसिंग इंडस्ट्री में अपना बड़े बड़े मुकाम हासिल करने के बाद नारायण ने स्टार्टअप की भी शुरुआती की। अप्रैल 2020 में DriveX नाम से शुरू हुई यह कंपनी टू वीलर्स के लिए सब्सक्रिप्शन और लीज मॉडल पर सस्ती और किफायती मोबिलिटी सलूशन ऑफर कर रही थी।

हालांकि बाद में उनके पास इस टू वीलर को खरीदने की मांग आने लगी। तब कंपनी ने ओनरशिप और सब्सक्रिप्शन दो मॉडल शुरू कर दिए। कंपनी तमाम ब्रैंड्स के प्री–ओन्ड टू वीलर को खरीदने से लेकर रिफर्बिशमेंट उनकी रिटेलिंग का काम करती है। कंपनी के बिजनेस में ग्रोथ ने अच्छे खासे निवेशकों का ध्यान खींचा। शुरू होने के कुछ ही महीने बाद कंपनी में टीवीएस मोटर्स ने 85.41 करोड़ रुपये देकर 48.27 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीद ली। 2021 में कंपनी ने 9 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया था। जबकि इस वित्त वर्ष इसके 12 करोड़ का रेवेन्यू हासिल करने का अनुमान है।

रणजी शिविर की जगह आईपीएल टीम के साथ जुड़ने से दिल्ली के विकेटकीपर रावत की मुश्किलें बढ़ी

नयी दिल्ली । दिल्ली के अनुभवी विकेटकीपर–बल्लेबाज अनुज रावत अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे राज्य टीम के रणजी शिविर को छोड़कर सूरत में अपनी नयी आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के अभ्यास सत्र में शामिल हुए। दिल्ली को रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में अगले दौर के अपने मैच राजकोट में सौराष्ट्र का सामना करना है। बीसीसीआई के अधिकारी जब खिलाड़ियों से लाल गेंद प्रारूप को प्राथमिकता देने की अपेक्षा कर रहे हैं तब रावत का रणजी सत्र के दूसरे चरण से एक सप्ताह पहले आईपीएल शिविर में भाग लेना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं। गुजरात टाइटंस से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, '' गुजरात टाइटंस सूरत में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ आईपीएल 2025 के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अनुज रावत, इशांत शर्मा, जयंत यादव, कुमार कुशाग्र, महिपाल लोमरोर और अरशद खान जैसे खिलाड़ियों के साथ कोच और स्पोर्ट स्टाफ से जुड़े लोग इस शिविर में शामिल हुए है।'' इशांत शर्मा भारतीय टेस्ट टीम में जगह के दावेदार नहीं है और ऐसे में उन्होंने डीडीसीए को बता दिया है कि वह रणजी मैच नहीं खेलेंगे। ऐसे में आईपीएल टीम के शिविर में इशांत के भाग लेने पर कोई विवाद नहीं है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के राज्य टीम चयन समिति के संयोजक सचिव अशोक शर्मा से जब रावत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अनुज ने आईपीएल टीम के शिविर में भाग लेने के लिए यहां जारी रणजी ट्रॉफी शिविर को छोड़ दिया है। उसे इसके लिए राज्य क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी लेनी चाहिए थी।। हमारे दो रणजी मैच बचे हैं और कोटला में शिविर जारी है। मुझे नहीं पता कि उन्हें रणजी ट्रॉफी शिविर में भाग न लेने की अनुमति किसने दी।'' पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आईपीएल विजेता कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट की तुलना में आईपीएल को अधिक महत्व देने के कारण बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध गंवा दिया था। अय्यर और किशन ने अपनी गलती से सीख ली और मौजूदा सत्र में सभी प्रारूपों में क्रमशः मुंबई और झारखंड के लिए खेल रहे हैं। रावत ने मौजूदा रणजी सत्र में तीन मैचों में 52 के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 97 रन बनाये हैं।

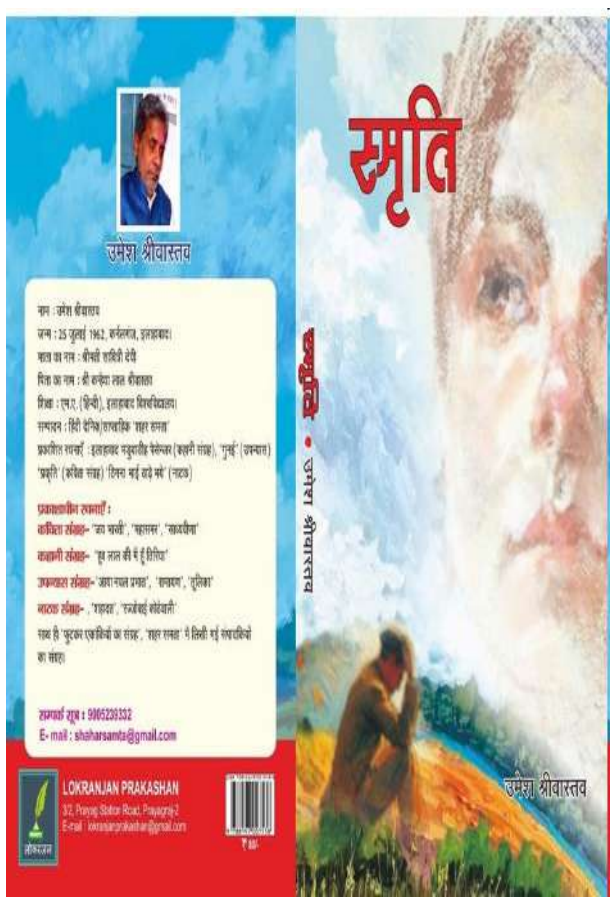

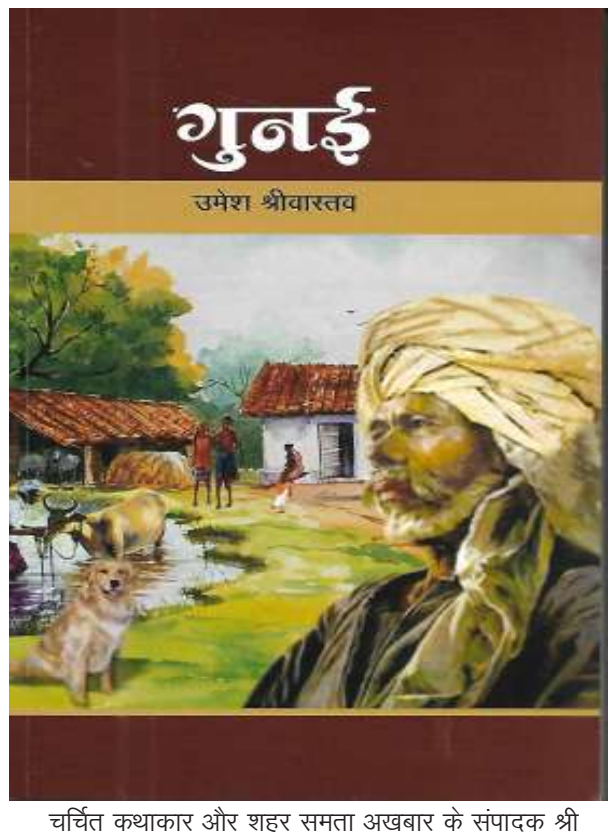

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

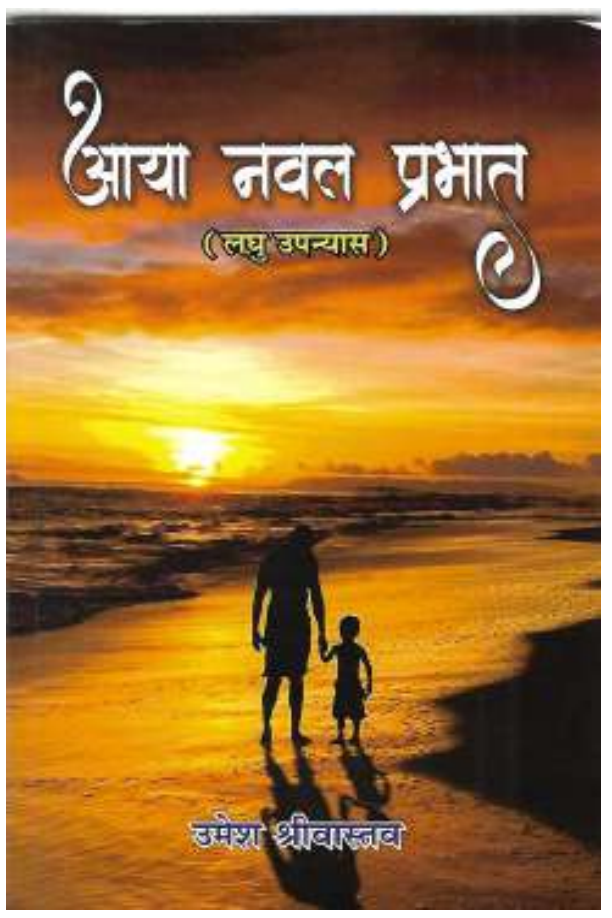

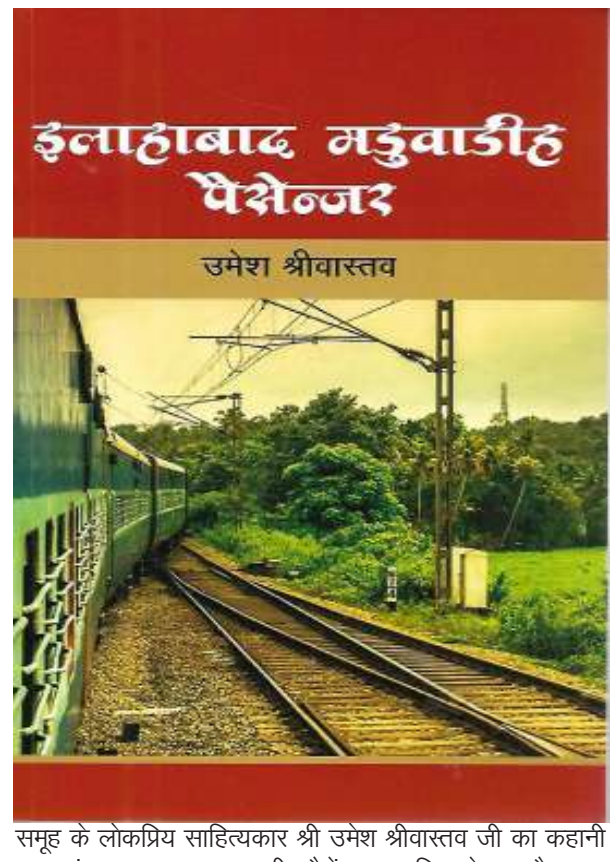

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

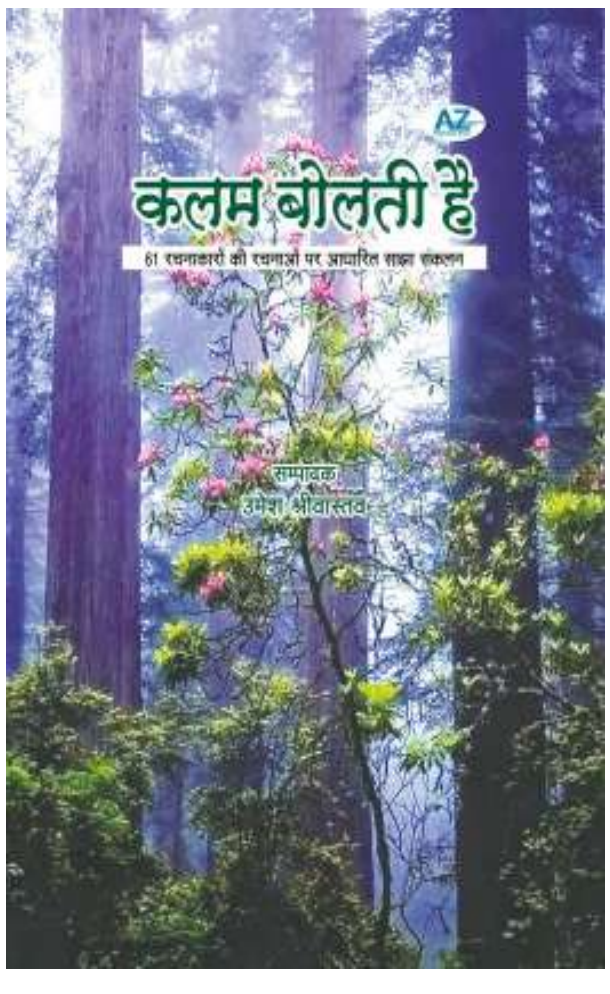

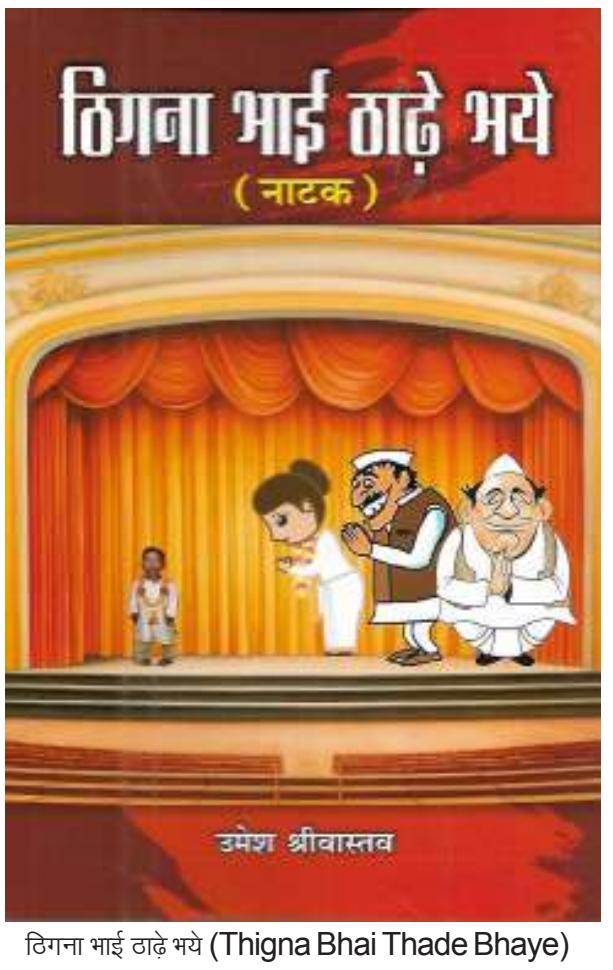

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

न्याय विभाग ने ट्रंप के खिलाफ जांच की रिपोर्ट अमेरिकी संसद भेजी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 2020 में चुनाव नतीजे पलटने के आरोप में मामला चल रहा है। अब इस मामले की जांच रिपोर्ट अमेरिकी न्याय

विभाग ने मंगलवार को अमेरिकी संसद के सदस्यों को भेजी है। इस मामले के विशेष अभियोजक जैक स्मिथ ने यह रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में जैक स्मिथ ने कहा है कि ट्रंप पर आरोप लगाने का फैसला मेरा था। इस मामले में अमेरिकी इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ, जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को संघीय मामले में आरोपी बनाया गया। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ट्रंप ने इस रिपोर्ट को गुप्त रखने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके और रिपोर्ट अब सार्वजनिक कर दी गई है क्योंकि फिलहाल यह मामला बंद है। जैक स्मिथ ने गोपनीय दस्तावेज से जुड़े मामले में भी जांच रिपोर्ट तैयार की है, लेकिन वह रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई क्योंकि अभी उस मामले में सुनवाई चल रही है। न्याय विभाग (डीओजे) के विशेष वकील जैक स्मिथ ने ट्रंप पर जो आरोप लगाए थे, उनमें अमेरिका को धोखा देने की साजिश, आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने की साजिश, आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने का प्रयास, और अधिकारों के विरुद्ध साजिश जैसे आरोप शामिल हैं। हालांकि ट्रंप ने सभी आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताया था। रिपोर्ट तब जारी की गई है जब ट्रम्प ने कहा कि वह 6 जनवरी 2020 को कैपिटल हिल में हुए दंगे के आरोपियों को माफ करने की तैयारी कर रहे हैं। 6 जनवरी के दंगे के मामे में 1,580 से अधिक लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और 1,270 से अधिक को गैरकानूनी परेड से लेकर देशद्रोह जैसे आरोपों में दोषी ठहराया गया है। इनमें से 700 से अधिक लोग पहले ही अपनी सजा पूरी कर चुके हैं या उन्हें सजा ही नहीं हुई। दंगे के मामले में सजा पाए लोगों में प्राउड बॉयज के पूर्व अध्यक्ष एनरिक टैरियो भी शामिल हैं, जिन्हें 2023 में देशद्रोही साजिश का दोषी पाया गया था और संघीय जेल में 22 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में कहा कि हिंसा करने वालों को स्पष्ट रूप से माफ नहीं किया जाना चाहिए।

युद्ध विराम समझौते के बीच गाजा पट्टी में हमला, 18 लोगों की मौत हूतियों ने इस्राइल पर दागी मिसाइल

यरूशलम। इस्राइल–हमास के बीच युद्ध विराम समझौते पर चल रही वार्ता के बीच गाजा पट्टी में इस्राइल ने हमला किया। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 18 लोगों की जान चली गई। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को मध्य इस्राइल में मिसाइल से हमला किया। हमले के चलते सायरन बजने लगे और अफरा–तफरी मच गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गाजा के मध्य शहर डेर अल–बलाह में हुए दो हमलों में दो महिलाएं और उनके चार बच्चे मारे गए। बच्चों की उम्र एक महीने से लेकर नौ साल के बीच थी। अल–अक्सा शहीद अस्पताल में शवों को रखा गया है। मरने वाली एक महिला गर्भवती थी। इसके अलावा यूरोपियन अस्पताल ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में हुए दो हमलों में 12 लोग मारे गए। अधिकारियों का कहना है कि इस्राइल और हमास के बीच पिछले एक साल से चल रही वार्ता अब अंतिम मुद्दे पर पहुंचेगी और हमले रुक जाएंगे। हमलों को लेकर इस्राइल की सेना ने कोई जवाब नहीं दिया। इस्राइल लगातार कहता रहा है कि वह केवल हमास के लड़ाकों निशाना बनाता है। वे विस्थापितों के लिए बनाए गए आश्रयों और तंबू शिविरों में नागरिकों के बीच छिपकर उनके देश पर हमले कर रहे हैं। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौते पर वार्ता जारी है। बताया जा रहा है कि इस्राइल और हमास के बीच युद्ध विराम वार्ता अंतिम चरण में पहुंच गई है। हमास इस पर तैयार हो गया है कि वह पहले चरण में 33 इस्राइली बंधकों को रिहा कर देगा। बताया जा रहा है कि समझौते को लेकर अंतिम दौर की वार्ता मंगलवार को कतर के दोहा में होगी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को मध्य इस्राइल में मिसाइल से हमला किया। हमले के चलते सायरन बजने लगे और अफरा–तफरी मच गई। इसके बाद लोग शेल्टर होम्स में छिप गए। यमन की मिसाइल को इस्राइल ने हवा में ही तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि आश्रय स्थलों की तरफ भागते हुए कुछ लोग चोटिल हो गए। इस्राइली सेना ने एक इमारत की छत पर गिरी मिसाइल की तस्वीर साझा की। हूतियों ने भी मिसाइल हमले की पुष्टि की। इससे पहले सोमवार रात को भी इस्राइल में एक हमला हुआ था, जिसका भी आरोप हूती विद्रोहियों पर ही लगा था। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने 2014 से यमन की राजधानी सना पर कब्जा कर रखा है। गाजा पर हमले के विरोध में हूती विद्रोही इस्राइल पर हमले कर रहे हैं। खासकर लाल सागर से गुजरने वाले इस्राइली जहाजों को हूती विद्रोहियों ने निशाना बनाया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि गाजा के लिए युद्ध विराम समझौता पूरा होने के करीब है। मैं समझता हूं कि हाथ मिला लिया गया है और यह पूरा होने के करीब है। इस सप्ताह के अंत तक यह पूरा हो जाएगा। समझौते के एक चरण में गाजा पट्टी से कुछ बंधकों को बाहर लाया जाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

एलएसी पर टैंक लेकर पहुंचा चीन, आर्मी चीफ ने भी दिया बड़ा बयान

भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने आगामी सेना दिवस से पहले अपनी वार्षिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि जहां तक गतिरोध का सवाल है, हमें यह देखना होगा कि अप्रैल 2020 के बाद सब कुछ बदल गया है। दोनों पक्षों ने इलाके (तैनाती और निर्माण के माध्यम से) में हेरफेर किया है, बिलेटिंग निर्माण किया है और स्टॉकिंग और तैनाती हुई है। इसका मतलब है कि कुछ हद तक गतिरोध है।

एलएसी पर तनाव के बाद भारत–चीन पक्ष को लेकर भारत ने कई बार अपने तरफ से बयान दिया है। चीन ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि भारत और चीन के बीच में स्थिति सामान्य की तरफ लौट रहे हैं। लेकिन अब तक भारी भरकम सेना की सीमा पर मौजूदगी खतरे को खत्म नहीं होने दे रही। सैन्य उपस्थिति उस खतरे को लगातार कायम रख रही है जो पिछले चार सालों से गहराता रहा है। इसी लेकर जब भारतीय सेना प्रमुख से भी सवाल पूछा गया तो उन्होंने भी इस बात को स्वीकारा की स्थिति संवेदनशील और स्थिर है। अक्टूबर 2024 के बाद से भारत और चीन ने डिसइंगेजमेंट की ओर बढ़ने की अपनी कोशिशों को और तेज करना शुरू कर दिया। लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये कि वो भारत और चीन की सेना जो विभिन्न प्लाइंट्स से पीछे तो हट गई हैं। लेकिन अब भी भारी भरकम सेना का वहां मौजूद रहना कई सवालों को खड़ा कर रहा है। इन सब के बीच एलएसी के पास चीन की तरफ से किया गया वो ड्रिल जो कहीं न कहीं सवालों को फिर खड़ा कर रहा है। चीन द्वारा किया गया युद्धाभ्यास और उसके बीच में आया भारतीय सेना प्रमुख का बयान बेहद महत्वपूर्ण है। इस युद्धाभ्यास में ड्रोन, टैंक और आर्मर्ड इन्फेंट्री फाइटिंग व्हीकल को भी उतारा गया। भारतीय सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने आगामी सेना दिवस से पहले अपनी वार्षिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि जहां तक घ्घगतिरोध का सवाल है, हमें यह देखना होगा कि अप्रैल 2020 के बाद सब कुछ बदल गया है। दोनों पक्षों ने इलाके (तैनाती और निर्माण के माध्यम से) में हेरफेर किया है, बिलेटिंग निर्माण किया है और स्टॉकिंग और तैनाती हुई है। इसका मतलब है कि कुछ हद तक गतिरोध है। एलएसी पर स्थिति पर एक सवाल के जवाब में द्विवेदी की टिप्पणी भारतीय सेना और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा एक अंतराल के बाद लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में अपनी गश्त गतिविधियों को फिर से शुरू करने के ढाई महीने बाद आई। भारत और चीन द्वारा देपसांग और डेमचोक में अपने गतिरोध को हल करने के लिए बातचीत में सफलता की घोषणा के दो दिन बाद 23 अक्टूबर, 2024 को दोनों क्षेत्रों में विघटन शुरू हुआ, जो लद्दाख में आखिरी दो फ्लैशप्वाइंट थे जहां दोनों सेनाएं आमने–सामने थीं।

सेना प्रमुख ने कहा कि अप्रैल 2020 के बाद हुए घटनाक्रम के बाद एलएसी के दोनों किनारों पर बदले परिदृश्य के बाद दोनों देशों के बीच विश्वास की एक नई परिभाषा होनी चाहिए। हमारे लिए एक साथ बैठने और व्यापक समझ बनाने की आवश्यकता है कि हम किस तरह से स्थिति को शांत करना चाहते हैं और विश्वास बहाल करना चाहते हैं। इसलिए, अब हम सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों और भारत–चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं और हम उनके मार्गदर्शन के आधार पर आगे बढ़ेंगे। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी लगभग पांच वर्षों में अपनी पहली औपचारिक वार्ता के लिए 18 दिसंबर, 2024 को बीजिंग में मिले।

अब हम पहले जैसे नहीं, हर कोई अब हमें दोस्त बनाने में लगा, जयशंकर ने स्पेन में किया भारत के प्रभुत्व का जिक्र

जयशंकर ने साझा किया कि स्पेन के विदेश मंत्री द्वारा एक वैश्विक सम्मेलन में देश के राजदूतों को संबोधित करने के लिए उनका निमंत्रण एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि किसी विदेशी राजदूत को स्पेन के वैश्विक राजदूतों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि यह निमंत्रण विश्व मंच पर भारत की स्थिति के महत्व को दर्शाता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते संबंधों की सराहना की है। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस के साथ मैड्रिड में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, विदेश मंत्री ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में मजबूत प्रगति और बहुमुखी विकास पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने साझा किया कि स्पेन के विदेश मंत्री द्वारा एक वैश्विक सम्मेलन में देश के राजदूतों को संबोधित करने के लिए उनका निमंत्रण एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि किसी विदेशी राजदूत को स्पेन के वैश्विक राजदूतों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि यह निमंत्रण विश्व मंच पर भारत की स्थिति के महत्व को दर्शाता है। जब कोई विदेश मंत्रालय और दूसरे देश के राजदूत आपसे आकर उनसे बात करने के लिए कहते हैं, तो यह सोचने लायक है कि क्यों। जयशंकर ने कहा, आज भारत की स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री ने भारत की आर्थिक ताकत और नेतृत्व पर प्रकाश डाला और देश को वैश्विक बातचीत में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आज, हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। जयशंकर ने दुनिया भर में देश की बढ़ती पहचान पर जोर देते हुए भारत के वैश्विक प्रभाव का श्रेय उसकी क्षमताओं और विचारों को दिया।

जयशंकर ने विविध देशों के साथ जुड़ने और परस्पर विरोधी हितों वाले देशों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने की भारत की क्षमता पर चर्चा की। "रूस और यूक्रेन से बात करने की स्थिति में बहुत कम देश हैं। इजराइल और ईरानय क्वाड और ब्रिक्स के सदस्य होने के नाते। पीएम मोदी दोनों करने में सक्षम हैं। उन्होंने भारत की अद्वितीय राजनयिक पहुंच का जिक्र करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत के सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर भी जोर दिया, एक ऐसा दर्शन जिसकी दुनिया सराहना करती आई है।

सबसे बड़े मुस्लिम देश के राष्ट्रपति का विमान भारत ने मुड़वाया, पाकिस्तान की जगह मलेशिया जाएंगे प्रबोवो सुबियांतो

26 जनवरी की परेड से पहले भारत ने एक बड़ा खेल कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि भारत ने सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का विमान मुड़वा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार 26 जनवरी पर इंडोनेशिया के

राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो चीफ गेस्ट के तौर पर आ रहे हैं। लेकिन मजे की बात ये है कि भारत ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि अभी तक 26 जनवरी के चीफ गेस्ट के नाम की घोषणा आधिकारिक तौर पर नहीं हुई है। 2024 पर नजर डालें तो फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को चीफ गेस्ट के तौर पर बुलाया गया था। लेकिन इमैनुएल मैक्रों के नाम की घोषणा दिसंबर में ही कर दी गई थी। इसी तरह 2023 में मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अल सिसि को बुलाया गया था। अब्दुल फतेह अल सिसि के नाम की घोषणा तो दो महीने पहले नवंबर में ही कर दी गई थी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

आपको बता दें कि यहां पर पाकिस्तान ने बहुत ही गंदा खेल खेलने की कोशिश की है। लेकिन उसके बाद भारत ने जो किया वो हैरान करने वाला है। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भारत में गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेने के तुरंत बाद पाकिस्तान आएंगे। वो पाकिस्तान में दो दिनों तक रहेंगे। लेकिन ये बात भारत को पसंद नहीं आई। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानी मीडिया के दावों को गंभीरता से लेते हुए भारत ने शायद ये मुद्दा इंडोनेशिया के साथ उठा दिया। सूत्रों के मुताबिक मोदी सरकार ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान को एक तराजू पर मत तौलिए। भारत ने बुलाया है तो अभी सिर्फ भारत आइए। पाकिस्तान के बारे में मत सोचिए। अब खबर आ रही है कि प्रबोवो सुबियांतो पाकिस्तान नहीं जाएंगे। प्रबोवो सुबियांतो अब पाकिस्तान की जगह मलेशिया जाएंगे।

ये खबर सुनकर पाकिस्तान के पैरों तले जमीन खिसक गई है। मोदी सरकार ने सुबियांतों का विमान मुड़वाकर अब पाकिस्तान की जगह मलेशिया करवा दिया है। प्रबोवो सुबियांतो नए नए राष्ट्रपति बने हैं तो शायद उन्हें पता न हो कि भारत अपनी फॉरेन पालिसी बदल चुका है। कुछ सालों पहले तक जो भी नेता भारत आता था वो पाकिस्तान भी जाता था। लेकिन भारत ने अब साफ कर दिया है कि आप भारत आ रहे हैं तो भारत आइए लेकिन हमसे मिलने के बाद पाकिस्तान जाने की जरूरत नहीं है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबोवो सुबियांटो को गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करके भारत ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। पहली बात यह है कि इंडोनेशिया की भारत के साथ अच्छी मित्रता है। इस कारण भारत ने 1950 के बाद तीसरी बार किसी इंडोनेशियाई नेता को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।

जापान के क्यूशू में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 6.9 मापी गई तीव्रता

यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के हवाले से बताया कि सोमवार को जापान के क्यूशू क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 6.6 तीव्रता का भूकंप आया। अभी तक किसी नुकसान, चोट या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ईएमएससी ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 37 किमी की गहराई पर स्थित थी। इससे पहले मैक्सिको के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में आज सुबह 6.2 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन गंभीर नुकसान या जनहानि नहीं हुई। 'अमेरिकी जियोलोजिकल सर्वे ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि भूकंप का केन्द्र एक्विला के दक्षिणपूर्व में 21 किलोमीटर की दूरी पर कोलिमा और मिचोआकेन प्रांतों की सीमा के पास 34 किलोमीटर की गहराई पर था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया सीनबॉम ने 'एक्स' पर कहा कि भूकंप के बाद आपात प्रतिक्रिया दलोंने अपने प्रोटोकॉल की समीक्षा की। उन्होंने लिखा कि कोई नई घटना नहीं हुई है।" मैक्सिको के 'सोशल सेक्युरिटी इंस्टीट्यूट' ने कहा कि राजधानी मैक्सिको सिटी में किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान सेवा ने बताया कि रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे तक भूकंप के बाद के 329 झटके महसूस किए गए। उसने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.1 थी। पड़ोसी किंघई प्रांत के एक अन्य काउंटी में बुधवार को 5.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पिछले हफ्ते आए भूकंप में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह भूकंप उत्तर–पश्चिम चीन के किंघई प्रांत के गोलोग तिब्बती स्वायत्त प्रांत के मादोई काउंटी में अपराह्न तीन बजकर 44 मिनट (बीजिंग समयानुसार) पर आया। भूकंप के झटके उत्तर–पूर्वी नेपाल में भी महसूस किए गए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार भूकंप का केंद्र 14 किलोमीटर की गहराई पर था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर लड़ते हुए मारे गए भारतीय, घर वापस लाने के लिए गुहार लगा रहे थे परिजन

यूक्रेन के साथ देश के युद्ध की अग्रिम पंक्ति पर रूसी सेना में लड़ रहे केरल के एक युवक की मौत हो गई है, जबकि उसके रिश्तेदार को गंभीर चोटें आई हैं। मृतक की पहचान केरल के त्रिशूर जिले के वाडाकनचेरी निवासी 32 वर्षीय बिनिल टी बी के रूप में की गई है। घायल की पहचान 27 वर्षीय जैन टी के के रूप में हुई है, जो उसी क्षेत्र का रहने वाला है। कुछ दिन पहले बिनिल के परिवार को संदेश मिला कि ड्रोन के हमले में दो लोग घायल हो गए हैं, लेकिन वे उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर सके। दोनों व्यक्तियों के एक रिश्तेदार सनीश ने कहा कि बिनिल की पत्नी जॉयसी, जो मॉस्को में भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं। जब उसने अधिकारियों को फोन किया, तो उन्होंने मौखिक रूप से पुष्टि की कि बिनिल की मृत्यु हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें रूसी सेना से इस संबंध में जानकारी मिली है। अनिवासी केरलवासियों के मामलों के लिए राज्य सरकार की एजेंसी, छव्ज्ञ। त्व्ब्ै के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजित कोलास्सेरी ने कहा कि हमने घटना के बारे में सुना है। हम विदेश मंत्रालय से अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से हम उन्हें वापस लाने की कोशिश कर रहे थे। हम ठीक से नहीं जानते कि केरल के कितने लोग अभी भी रूसी सेना में फंसे हुए हैं। हमें घटना के बारे में तभी पता चलता है जब ऐसे लोग संकटपूर्ण कॉल करते हैं। बिनिल और जैन टीके घर जाने की बेताब कोशिश कर रहे थे। पिछले महीने की शुरुआत में निल ने कहा था कि वे घर वापस आने की कोशिश में सितंबर से मॉस्को में भारतीय दूतावास के दरवाजे खटखटा रहे हैं। आखिरी संदेश में बिनिल ने कहा कि उन्हें युद्ध की अग्रिम पंक्ति में जाने के लिए मजबूर किया गया है, जिससे उनकी जान को और खतरा हो सकता है। बिनिल और जैन उन कई भारतीय युवाओं में से थे, जो देश की सैन्य सहायता सेवा में इलेक्ट्रीशियन, रसोइया, प्लंबर और ड्राइवर के रूप में नियोजित होने की उम्मीद में अप्रैल में रूस गए थे। इसके बजाय, उन्हें अपने भारतीय पासपोर्ट छोड़ने, स्थायी निवास लेने, रूसी सेना में भर्ती होने और युद्ध की अग्रिम पंक्ति पर काम करने के लिए कहा गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।